जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, गुरुवार 12 जून, 2025

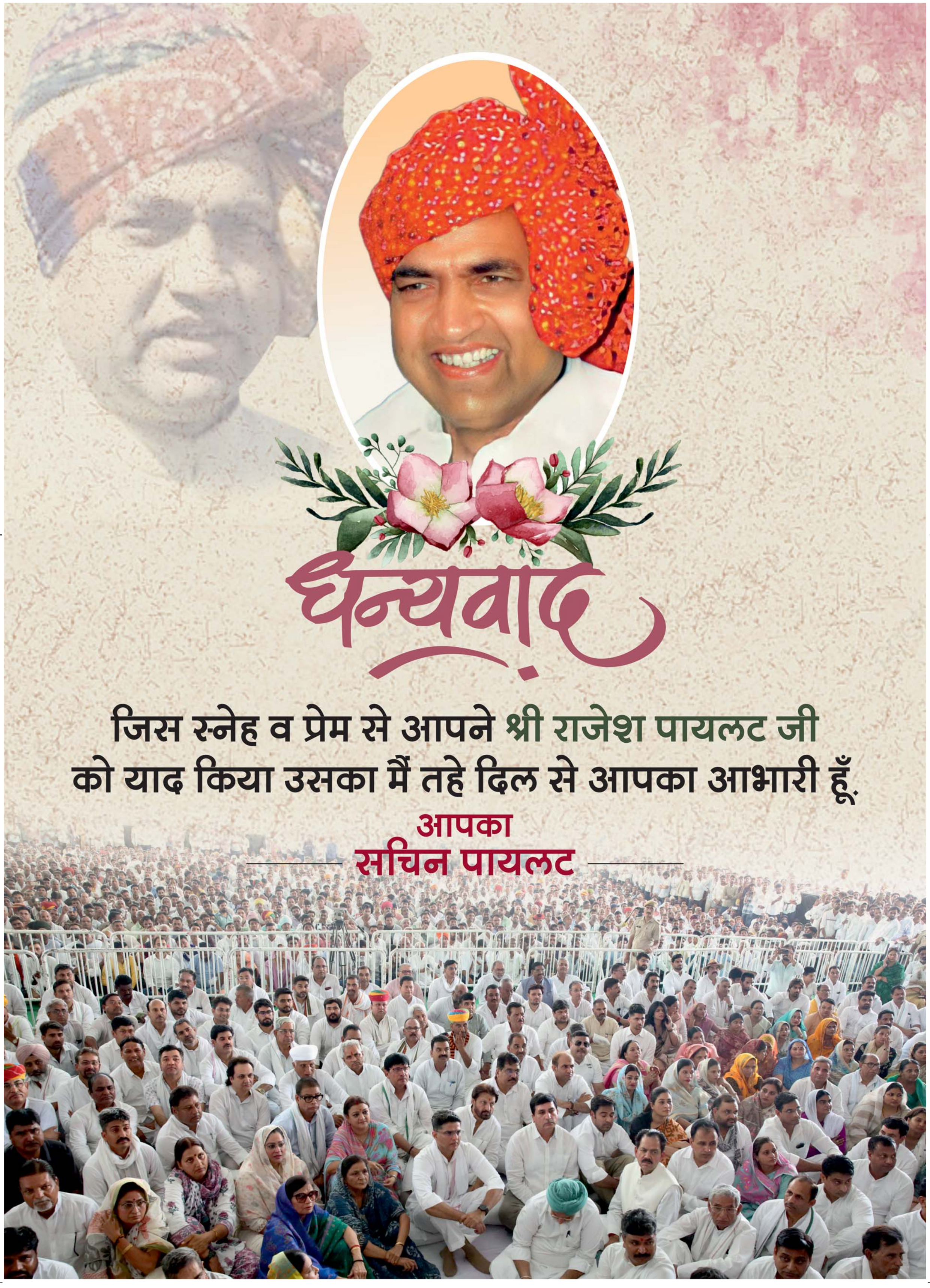

विचार बिन्दु

सुधार के बिना पश्चाताप ऐसा है जैसे सुराख़ बंद किये बिना जहाज में से पानी निकालना। –पामर

सीवर लाइनों की सफाई अब भी जानलेवा: सरकार सीरियस क्यों नहीं है?

22 मई 2025 को राजस्थान के बीकानेर में एक हृदयविदारक घटना ने देशभर का ध्यान हमारी ओर खींचा, और यह ध्यानाकर्षण कलंक का कारक बना। करणी औद्योगिक क्षेत्र में भवानी वूलन मिल के सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान तीन सफाई कर्मचारी–अनिल कुमार चांगरा (36), सागर राज लखन (30), और गणेश (28)– जहरीली गैस की चपेट में आकर दम घुटने से मर गए। यह हादसा उसी दिन हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीकानेर में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस घटना ने राजस्थान का सिर शर्म से झुका दिया। इस घटना ने मैनुअल स्कैवेंजिंग की जानलेवा परिस्थितियों, सुरक्षा उपायों की कमी, और प्रशासनिक लापरवाही को उजागर किया। वैसे यह कोई नई समस्या नहीं है। लेकिन प्रधानमंत्री की उपस्थिति में प्रदेश में ऐसी घटना का होना बहुत चिन्ताजनक है। देखना है राज्य सरकार इससे क्या सबक लेती है। यूं राजस्थान और देश के अन्य विकसित राज्यों में ऐसी घटनाएँ बार–बार सामने आती रहती हैं, जो सामाजिक उदासीनता, आर्थिक शोषण, और तकनीकी पिछड़ेपन को दर्शाती हैं।

बीकानेर की घटना के इर्द–गिर्द सफाई कर्मचारियों की स्थिति, सामाजिक दृष्टिकोण, मैनुअल सफाई की निरंतरता, ठेकेदारों की जवाबदेही, भारत में रोबोटिक क्लीनिंग, विदेशी प्रथाएँ, सरकारी सहायता, और समाधान के सुझावों सब को देखने–परखने की जरूरत है। राजस्थान में मैनुअल स्कैवेंजिंग के दौरान होने वाली मौतें एक गंभीर संकट हैं। बीकानेर की घटना से पहले, 2025 में जयपुर के सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में को चार सफाई कर्मचारियों की सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान मौत हुई थी। डीग में भी तीन मजदूरों की जान गई थी। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, 2019 से 2023 तक देशभर में सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान 377 लोग मरे, जिनमें राजस्थान का हिस्सा उल्लेखनीय था। बीकानेर में पुलिस की प्रारंभिक जाँच के अनुसार, सेप्टिक टैंक में कार्बन डाइऑक्साइड या अन्य जहरीली गैसों की उच्च मात्रा थी। मजदूरों को बिना मास्क, ऑक्सीजन सिलेंडर, या सुरक्षात्मक सूट के उतारा गया। एक मजदूर के बेहोश होने पर दो अन्य उसे बचाने उतरे, लेकिन वे भी गैस की चपेट में आ गए। यह लापरवाही ठेकेदारों, फैक्ट्री मालिकों, और प्रशासन की उदासीनता को दर्शाती है, जो 2013 के मैनुअल स्कैवेंजर्स के नियोजन पर प्रतिबंध और उनके पुनर्वास अधिनियम का उल्लंघन है।

देश के अन्य कथित तौर पर विकसित राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक, और दिल्ली में भी स्थिति चिंताजनक है। महाराष्ट्र में 2021–2024 के बीच 18 सफाई कर्मचारियों की मौत हुई, जैसा कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की सामाजिक ऑडिट रिपोर्ट में दर्ज है। मुंबई में 2022 में तीन मजदूरों की सेप्टिक टैंक में दम घुटने से मौत हुई। स्वयं प्रधानमंत्री के गृहराज्य गुजरात में अहमदाबाद और सूरत में 2023–2024 में 12 मौतें हुईं। तमिलनाडु में चेन्नई में 2024 में दो मजदूरों की मौत हुई। कर्नाटक में बेंगलुरु में 2023 में तीन मजदूर मरे। दिल्ली में 2024 में चार ऐसी घटनाएँ दर्ज हुईं। इन राज्यों में मैनुअल स्कैवेंजिंग पर कानूनी प्रतिबंध के बावजूद, प्रशासनिक लापरवाही और सामाजिक आर्थिक असमानताएँ इसे बनाए रखती हैं। सवाल है सफाई कर्मचारियों के प्रति समाज का सम्मानजनक नजरिया क्यों नहीं बन रहा? इसका मूल कारण भारत की जाति व्यवस्था और सामाजिक भेदभाव है। सफाई कर्मचारी अधिकतर दलित समुदायों से हैं, जिन्हें ऐतिहासिक रूप से 'अछूत' माना गया। यह मानसिकता आज भी समाज में गहरी जड़ें जमाए हुए है, जिसके कारण सफाई के काम को निम्न और अपमानजनक समझा जाता है। लोग सफाई कर्मचारियों को सम्मान देने के बजाय उनके काम को उनकी 'जातिगत नियति' मान लेते हैं।

स्कूलों, मीडिया, और सामाजिक संवाद में इस भेदभाव को खत्म करने के प्रयास नगण्य हैं। दूसरा, मध्यम और उच्च वर्ग का स्वार्थी दृष्टिकोण भी जिम्मेदार है। लोग सस्ते और त्वरित समाधान के लिए मैनुअल स्कैवेंजिंग को प्राथमिकता देते हैं, बिना मजदूरों की जान की परवाह किए। तीसरा, जागरूकता की कमी है। अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि मैनुअल स्कैवेंजिंग गैरकानूनी है और इसके खतरनाक परिणाम हैं। लोग मैनुअल सफाई क्यों कराते या होने देते हैं यह भी समझना जरूरी है, इसका पहला कारण आर्थिक है। मैनुअल स्कैवेंजिंग मशीनों की तुलना में सस्ता है। निजी घरों, छोटे उद्योगों, और यहाँ तक कि नगरीय निकाय भी लागत बचाने के लिए मजदूरों को बिना उपकरणों के खतरनाक काम में उतारते हैं। दूसरा, पुराने सीवर और सेप्टिक टैंक डिज़ाइन मशीनों के उपयोग को मुश्किल बनाते हैं। तीसरा, ठेकेदार और मालिक जानबूझकर सुरक्षा नियमों की अनदेखी करते हैं, क्योंकि सस्ता श्रम आसानी से उपलब्ध है। चौथा, समाज में नैतिक जवाबदेही की कमी है। लोग यह मानते हैं कि यह मजदूरों का काम है, और उनकी मौतों को 'दुर्भाग्य' मानकर भुला दिया जाता है। अब यह भी देखने वाली बात है कि सफाई कर्मचारी और ठेकेदार सावधानी क्यों नहीं बरतते? सफाई कर्मचारियों के मामले में, गरीबी और बेरोजगारी उन्हें मजबूर करती है। अधिकांश अनुबंधित मजदूर हैं, जिन्हें न नौकरी की सुरक्षा है, न प्रशिक्षण, और न ही सुरक्षा उपकरण। वे ठेकेदारों के दबाव में बिना सवाल उठाए खतरनाक काम करते हैं। ठेकेदारों की लापरवाही का कारण मुनाफा है। वे सुरक्षा उपकरणों, प्रशिक्षण, या मशीनों पर खर्च करने से बचते हैं।

> **बीकानेर की घटना सामाजिक असमानता, आर्थिक शोषण, और तकनीकी पिछड़ेपन का प्रतीक है। जब तक मैनुअल स्कैवेंजिंग को खत्म करने के लिए ठोस प्रयास नहीं होंगे, ऐसी त्रासदियाँ जारी रहेंगी। समाज, सरकार, और निजी क्षेत्र को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई और अनिल, सागर, या गणेश अपनी जान न गँवाए।**

बीकानेर की घटना में ठेकेदार ने मजदूरों को बिना किसी सुरक्षा के टैंक में उतारा, जो PEMSR अधिनियम की धारा 7 का उल्लंघन है। बिना समुचित उपकरणों के मजदूरों को काम पर लगाने वाले ठेकेदारों का क्या होता है? कानूनी रूप से, PEMSR अधिनियम के तहत ठेकेदारों पर जुर्माना और सात साल तक की जेल हो सकती है। हालांकि, वास्तविकता में कार्रवाई कम होती है। बीकानेर में ठेकेदार और फैक्ट्री मालिक के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया, लेकिन ऐसी घटनाओं में दोष सिद्धि की दर बहुत कम है। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग (NCSK) की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, 2019–2023 के बीच देशभर में केवल 15इ मामलों में ठेकेदारों पर कार्रवाई हुई। इसका कारण प्रशासनिक ढिलाई, भ्रष्टाचार, और प्रभावशाली ठेकेदारों का दबाव है। कई मामलों में, ठेकेदार मामूली जुर्माना देकर बच निकलते हैं। भारत में रोबोटिक क्लीनिंग की स्थिति अभी प्रारंभिक चरण में है। कुछ शहरों में प्रयोग हो रहे हैं। उदाहरण के लिए, केरल के तिरुवनंतपुरम में 2021 में 'बैंडिकूट' नामक रोबोट का उपयोग मैनहोल सफाई के लिए शुरू हुआ। यह रोबोट मलबा हटाने और गैस का पता लगाने में सक्षम है। चेन्नई और दिल्ली में भी इसे आजमाया गया। 2024 में स्वच्छ भारत मिशन के तहत 10 शहरों में रोबोटिक सफाई के पायलट प्रोजेक्ट शुरू हुए। हालांकि, बड़े पैमाने पर इसका उपयोग नहीं हो रहा। कारण हैं– उच्च लागत (एक रोबोट की कीमत 50 लाख से 1 करोड़ रुपये), रखरखाव की जटिलता, और पुराने सीवर सिस्टम की असंगति। प्रशिक्षित ऑपरेटरों की कमी और सरकारी निवेश की कमी भी बाधाएँ हैं। फिर भी, स्टार्टअप्स जैसे जेनरोबोटिक्स और मद्रास के शोधकर्ता इस दिशा में काम कर रहे हैं।

विदेशों में मैनुअल स्कैवेंजिंग लगभग समाप्त है। जापान में टोक्यो में सेंसर और कैमरे वाले रोबोट्स सीवर सफाई करते हैं। जर्मनी में आधुनिक सीवर डिज़ाइन और सुरक्षा उपकरण अनिवार्य हैं। अमेरिका में हाई–प्रेशर जेट मशीनें और वैक्यूम ट्रक उपयोग होते हैं। मलेशिया में सरकार उपकरणों पर सब्सिडी देती है। इन देशों में कड़े श्रम कानून और तकनीकी नवाचार मैनुअल सफाई को अनावश्यक बनाते हैं। भारत में ऐसी तकनीक उपलब्ध है, लेकिन लागत और इच्छाशक्ति की कमी बाधक है। मृतकों के परिवारों को सरकारी सहायता के तौर पर सुप्रीम कोर्ट के 2023 के आदेश के अनुसार 30 लाख रुपये मुआवजा, और स्थायी अक्षमता के लिए 20 लाख रुपये दिए जाने चाहिए। बीकानेर में प्रत्येक मृतक के परिवार को 10 लाख रुपये और एक परिजन को सरकारी नौकरी की घोषणा हुई।

कोलकाता में 2025 में तीन मौतों के बाद 10 लाख रुपये प्रारंभिक मुआवजा घोषित हुआ। हालांकि, मुआवजा अक्सर देरी से मिलता है, और परिवारों को कानूनी जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। NCSK स्वतः संज्ञान लेता है, लेकिन प्रक्रिया धीमी है। इस व्यवस्था में दोष कई स्तरों पर है। स्थानीय प्रशासन और नगरीय निकाय PEMSR अधिनियम लागू करने में विफल हैं। ठेकेदार और निजी कंपनियाँ मुनाफे के लिए सुरक्षा की अनदेखी करती हैं। सामाजिक संरचना दलित समुदायों को शोषित करती है। सरकारों में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी है। सरकारी कदमों में राजस्थान में 54 शहरों के लिए सफाई मशीनों की मंजूरी, छह नए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, और केंद्र की 'सफाईमित्र सुरक्षा चुनौती' शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में राष्ट्रीय नीति बनाने का निर्देश दिया, लेकिन प्रगति धीमी है। मशीनरी से सफाई न होने के कारणों में उच्च लागत, प्रशिक्षण की कमी, और पुराने सीवर सिस्टम हैं। सफाई कर्मचारियों की माँगें हैं–नियमित वेतन, सुरक्षा उपकरण, स्वास्थ्य बीमा, स्थायी नौकरी, और मैनुअल स्कैवेंजिंग का अंत। सहारनपुर और बीकानेर में धरनों में ये माँगें उठीं।

सुझाव निम्नलिखित हैं:–

पहला, PEMSR अधिनियम का कड़ाई से पालन हो, उल्लंघनकर्ताओं पर सख्त कार्रवाई हो। दूसरा, रोबोटिक और हाई–प्रेशर मशीनों का उपयोग अनिवार्य हो। तीसरा, सीवर सिस्टम अपग्रेड हों। चौथा, कर्मचारियों को प्रशिक्षण और उपकरण मिलें। पाँचवाँ, वैकल्पिक रोजगार के अवसर बनें। छठा, सामाजिक जागरूकता अभियान चलें। सातवाँ, मुआवजा समय पर मिले। आठवाँ, राष्ट्रीय नीति बने। बीकानेर की घटना सामाजिक असमानता, आर्थिक शोषण, और तकनीकी पिछड़ेपन का प्रतीक है। जब तक मैनुअल स्कैवेंजिंग को खत्म करने के लिए ठोस प्रयास नहीं होंगे, ऐसी त्रासदियाँ जारी रहेंगी। समाज, सरकार, और निजी क्षेत्र को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई और अनिल, सागर, या गणेश अपनी जान न गँवाए।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र मोहन शर्मा,
वरिष्ठ साहित्यकार शिक्षाविद् और चिन्तक

आओ जरा कश्मीर समस्या को समझने का करें प्रयास–1

महावीर सिंह

7 से 10 मई 2025 के तीन दिवसीय भारत–पाक संघर्ष ने बहुत सी खबरिया चैनल्स को कश्मीर मुद्दे पर सही, गलत, भ्रामक तथ्यों को जनता को परोसने का मौका दे दिया। बेसिर–पैर की अनेकों बातों पर प्राइम टाइम में आधी–अधूरी जानकारी वाले पार्टी प्रवक्ताओं को बैठा कर जनता को भ्रमित किया या यों कहें मनोरंजन किया। कुछ प्रवक्ता तो नेहरू और माउंटबैटन दंपति के घनिष्ठ पारिवारिक रिश्तों पर टिप्पणी करने से नहीं चुके। वे सब कुछ भ्रम में ही छोड़ गए क्योंकि घटिया प्रवक्ता, पत्रकार, अक्सर इन रिश्तों को वहां तक ले जाते है जो मैं नहीं लिख सकता।

जैसा कि हम सब जानते है द्वितीय महायुद्ध की समाप्ति के उपरांत ब्रिटिश सरकार की वो हैसियत नहीं रही की वह उपनिवेशों को ओर अधिक समय अपने अधीन रख सके। ब्रिटिश सरकार की आर्थिक व राजनीतिक हैसियत स्थिति निम्नतम बिंदु पर थी। जिन मूल्यों को आगे रखकर विश्व के देश ब्रिटेन की अगुवाई में युद्ध लड़ रहे थे उनमें जनतांत्रिक मूल्य, उपनिवेश स्वतंत्रता भी शामिल थे। ओर सबसे ऊपर भारतीयों की राजनीतिक चेतना, असंतोष, जन आंदोलनों ने ब्रिटेन को यह निर्णय लेने के लिए विवश कर दिया कि भारत को स्वतंत्र करना ही पड़ेगा और किया जाएगा।

इसके लिए, ब्रिटिश संसद में 17 जुलाई 1947 को इंडिपेंडेंस ऑफ इंडिया एक्ट 1947 पारित किया। इस एक्ट का सार यह था कि ब्रिटिश सरकार के सीधे अधीन भारतीय भू भाग का धार्मिक आधार पर दो अलग डोमिनियनस (अधिराज्य) के रूप में बंटवारा किया जाएगा। इतिहास में इसे माउंटबेटन योजना के नाम से जाना जाता है। इसमें ही धर्माधारित विभाजन का उल्लेख है।

मोहमद अली जिन्ना की अलग मुस्लिम धर्म आधारित बहुसंख्यक राज्य की मांग और ब्रिटेन की कुटिल नीतियों के चलते भारत का विभाजन हुआ। नए देशों की सीमाएं तय करने का काम ब्रिटेन के एक वकील रेडक्लिफ को सौंपा गया। उन्होंने बहुत सी जनभावनाओं को अनदेखा कर 2, 3 माह की अल्पावधि में ही, मोटे रूप से दोनों देशों भारत और पाकिस्तान की सीमाएं तय कर दी। मुस्लिम बहुल्य इलाके पाकिस्तान में शामिल किए और ब्रिटिश भारत के शेष इलाकों को भारत डोमिनियन बना।

लेकिन पूरे भारत पर ब्रिटेन का सीधा शासन नहीं था। 565 देशी राज्य थे जिन की ब्रिटेन की सरकार के साथ विभिन्न संधियां थी। इन संधियां के अनुसार उनके आपसी संबंध क्रियान्वित होते थे। इंडिपेंडेंस ऑफ इंडिया एक्ट के अनुसार यह रियासतें आगे के लिए अपने निर्णय अपने स्तर पर लेने के लिए स्वतंत्र हो गई। वे भारत,पाकिस्तान के साथ जुड़ सकती थी या स्वतंत्र रह सकती थी।

देसी रियासतों में भी समानांतर रूप से आजादी का आंदोलन सक्रिय रूप से चल रहा था। इस कारण देशी रियासतें चाह कर भी स्वतंत्र अस्तित्व नहीं बनाए रख सकती थी। अधिसंख्य देशी रियासतों को भारतीय संघ में शामिल करने की प्रक्रिया में, स्वतंत्रता आंदोलन के बड़े नेता व उस समय देश के उप प्रधानमंत्री स्वर्गीय सरदार पटेल की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने देसी रियासतों के राजाओं के साथ सतत संपर्क रख कर, वार्ताएं करके उन्हें समझाने का प्रयास किया कि उनके लिए, किसी भी दृष्टि से स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखना संभव नहीं हो पाएगा क्योंकि जनता चाहती है कि उनका विलय भारत में हो। इसलिए अधिकांश देसी रियासतों में भारत संघ में शामिल होने का निर्णय किया। इसके लिए उन्हें उनकी परिसंपत्तियों, जमीनों को रखने की बहुत सी छूटें दी गई। उनकी शानशौकत बनी रहे इसके लिए सालाना परवीपर्स दिया गया व उनकी राजा महाराजा की उपाधियां कायम रखी गई।

अधिकांश रियासतों में स्थानीय जनसंख्या की आशाओं के अनुरूप भारत या पाकिस्तान में शामिल हो गई। कश्मीर, जूनागढ़, भोपाल, हैदराबाद, जोधपुर, त्रावनकोर जैसी कुछ रियासतों ने कुछ हिचकिचाहट दिखाई। इन में से कश्मीर को छोड़ कर शेष सारी रियासतें हिंदू बहुल्य जनसंख्या वाली थी। इन सबके शासकों को सरदार पटेल की निरंतर समझाइश व जनता के आक्रोश, दबाव, इच्छा के आगे इनके शासकों को भारत संघ में शामिल होने के विलय पत्र पर हस्ताक्षर करने ही पड़े। भोपाल के नवाब को माउंटबेटन में एक पत्र लिखा था जिसका सार था कि कोई भी देशी शासक अपने समीप वाले अधिसंख्य डोमिनियन से भाग नहीं सकता। सारे देशी राजाओं के यह बात समझ में आ गई और अनिच्छुक होते हुए भी उन्हें भारत के साथ विलय समझौते पर हस्ताक्षर करने ही पड़े। जूनागढ़, हैदराबाद के नवाबों में कुछ विलंब किया किंतु आंतरिक जन असंतोष व कुछ बल प्रयोग से प अंततोगत्वा इनका भी, क्रमश:20–2–1948 व 13–9–1948 को भारत में विलय हो गया। जूनागढ़ के नवाब में तो पाकिस्तान के साथ विलय पत्र पर हस्ताक्षर भी कर दिए थे किंतु जनाक्रोश के आगे नवाब को पाकिस्तान भागना पड़ा। भारत में एक तरह का जनमत संग्रह करा कर जूनागढ़ का भारत में विलय किया। पाठकों को यह भी ध्यान में रखना होगा कि त्रावनकोर व जूनागढ़ की एक सीमा समुद्र से लगती थी अर्थात यह रियासतें पूर्ण रूप से भारत से घिरी हुई नहीं थी।

कश्मीर का मुद्दा थोड़ा जटिल था–––शासक हिन्दू था और अधिसंख्य जनसंख्या मुस्लिम धर्म में आस्था रखने वाली थी। कश्मीर के शासक की इच्छा स्वतंत्र रहने की थी। उन्होंने मोन रहने की स्थिति अपनाई हुई थी। पाकिस्तान भी उनको मना रहा था कि वे पाकिस्तान में शामिल हों। पाकिस्तान की इच्छानुसार पाकिस्तान में शामिल नहीं होने पर पाकिस्तान में पश्चिमी कश्मीर के कबाइली इलाकों के कबाइलियों को हथियारबंद किया और अपनी सेना की सुरक्षा में कश्मीर पर आक्रमण कर दिया। कबाइली आक्रमणकारी श्रृंगार के आत्मीय पहुंचने पर राजा हरि सिंह के हाथपांव फूल गए। उन्होंने भारत सरकार से सहायता और सुरक्षा की गुहार लगाई। उन्हें स्पष्ट किया गया कि बिना विलय के सहायता संभव नहीं है। 26 अक्टूबर 1947 को विलय पत्र पर हस्ताक्षर हुए और 27 अक्टूबर को विमानों के जरिए भारतीय सेना श्रीनगर हवाई अड्डे पर उतरी। कबाइलियों को पीछे धकेलना शुरू किया । यह भी तथ्य है कि तब तक कश्मीर के एक बड़े हिस्से (बाल्टिस्तान, गिलगित आदि)

जिसे आज हम – पाक अधिकृत कश्मीर कहते हैं, उस पर पाकिस्तानी सेना काबिज हो चुकी थी। भारत के पास कश्मीर का लगभग 40–45 प्रतिशत भूभाग व 70 प्रतिशत आबादी भारत में है। 20 प्रतिशत भूमि अक्साई चीन की भूमि 1950 से ही चीन के कब्जे में है। शाक सांग घाटी का ट्रांस काराकोरम की 10 प्रतिशत भूमि पाकिस्तान ने चीन को दे दी अर्थात अवैध कब्जे का अवैध हस्तांतरण। इस से पाकिस्तान में, भारत के लिए एक अनावश्यक कठिनाई ओर उत्पन्न कर दी। 20 से 30 प्रतिशत भूभाग पाकिस्तान के कब्जे में है।

26––27 अक्टूबर 1947 से आगे की कश्मीर की घटनाओं का संक्षिप्त विवरण अगले भाग में........।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जल संरक्षण का शंखनाद

रोहित मित्तल

जिस राजस्थान का पूरा इतिहास जल को सहेजने का रहा, वह कुछ सालों से इस परम्परा से विमुख हो गया और इसकी भारी कीमत हम सबको चुकानी पड़ी। जल संकट का मूल कारण जल की कमी नहीं, कुप्रबंधन है क्योंकि जल तो सीमित है, उसकी मात्रा बढ़ाना हमारे हाथ में नहीं है लेकिन बेहतर प्रबंधन हम सब कर सकते हैं और सदियों से करते आए हैं। जल केवल एक तत्व नहीं, यह पृथ्वी की धमनियों में बहता जीवन है। जब यही जल संकट के कगार पर हो तो उसकी रक्षा केवल शासन–प्रशासन नहीं, पूरा समाज करता है। इसी दृष्टिकोण से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रदेश भर में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का शंखनाद किया है। इसके माध्यम से राज्य सरकार के जल संरक्षण के प्रयास जनसंकल्प में बदल रहे हैं। राजस्थान की धरा, जहां कभी रेत की परतों में जीवन की प्यास छुपी रहती थी, आज जल संरक्षण की एक नई चेतना से जागृत हो रही है। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत 5 जून से शुरू होकर 20 जून तक विविध एवं विस्तृत गतिविधियां की जा रही हैं। राज्य के सभी जिलों में किसी एक महत्वपूर्ण जल स्त्रोत से इस अभियान की शुरूआत हुई। धौलपुर जिले में ऐतिहासिक तालाब ए शाही झील से अभियान का शुभारंभ हुआ। यह अभियान मात्र एक संयोग नहीं बल्कि इतिहास और भविष्य के संगम का प्रतीक है। एक नई जल संस्कृति का उदय, जहां परंपरा, पर्यावरण और प्रशासन मिलकर जल की हर बूंद को जीवन समझते हैं।

वंदे गंगा, जल से जुड़ती जन–चेतना : यह अभियान एक आत्मिक स्पंदन है। यह उस समाज को जाठात करने का यत्न है, जो वर्षों से जल को सहेजता आया है, और अब उसके महत्व को गंभीरता से समझने लगा है। गांवों की चौपालों में, विद्यालयों के प्रांगण में, खेतों के किनारे और झीलों के घाटों पर पौधे रोपे जाएंगे, कहीं अमृत सरोवरों की गाद निकाल कर उन्हें नया जीवन दिया जाएगा, कहीं स्कूली बच्चों की प्रभात फेरियों में जल संरक्षण के स्वर गूंजेंगे। यह आंदोलन जल स्त्रोतों की तलहटियों से उठी वह सच्चाई है, जो हमें स्मरण दिलाएगी कि जल केवल पीने की वस्तु नहीं, जीने का दर्शन है।

तालाब–ए–शाही से उठती वंदे गंगा जल संरक्षण की पुकार :

एक सभ्यता तब तक जीवित रहती है, जब वह अपने अतीत से संवाद बना कर, उससे प्रेरणा और सीख लेकर, गलतियां सुधार कर अपने वर्तमान से बेहतर कल का वादा करे न करे, कम से कम उस बेहतर भविष्य की आस अपने आने वाली पीढ़ियों की धमनियों में सतत बहने की गारंटी लिख दे।

ऐसे में तालाब ए शाही से प्रारंभ वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान महज एक प्रशासनिक प्रयास नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक जागरण की शुरुआत है। इससे तत्काल न तो जल समस्या का समाधान होगा, न यकायक भू–जल स्तर बढ़ जाएगा लेकिन बढ़ जाएगा एक विश्वास कि यह धरा हम सब की मां है और जिस प्रकार यह हम सब का ख्याल रखती है, पालन–पोषण करती है, इसे कोई जरूरत पड़े तो समाज, सरकार, नारी शक्ति, युवा शक्ति एक–दूसरे का मुंह नहीं ताकते, मिलकर सेवा करते हैं, एक परिवार का आभास करवाते हैं।

तालाब–ए–शाही, आज फिर एक नई भूमिका में हमारे समक्ष है। अतीत में जहां यह शाही विश्रामगृह और शिकार स्थल था, वहीं आज यह जल संरक्षण की चेतना का प्रतीक बन रहा है। लगभग चार सौ वर्ष पुराना यह जल स्त्रोत न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्व रखता है बल्कि आज भी हजारों किसानों की आजीविका, पर्यावरण संतुलन और जैव विविधता का आधार बना हुआ है।

तालाब ए शाही जहां इतिहास और जल संरक्षण एक साथ बहते है : झील कभी शाही शिकारगाह रही है। लाल बलुआ पत्थरों से बना शाही महल, झील के किनारे बनी राजा–रानी की बैठक, यहां के कुछ विशेष आकर्षण हैं। आज वही तालाब ए शाही आधुनिक राजस्थान में 3681 किसानों की 410 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई का आधार बन चुका है। सर्दियों में इस झील की प्रवासी पक्षियों से भरी जीवन्तता और नहरों से बहता सिंचित जीवन के कारण धौलपुर जिले में वंदे गंगा अभियान का शुभारंभ यहीं से हो रहा है। जल के साथ अन्य पहलुओं को समाहित करता यह व्यापक अभियान उन सैकड़ों सूखते तालाबों, गाद से पट चुके अमृत सरोवरों और उपेक्षित जल स्त्रोतों को पुनः जीवंत करने का प्रयास है, जिन्हें कभी हमारी सभ्यता की आत्मा कहा जाता था। अभियान के अंतर्गत गाद निकासी, पौधारोपण, परिंडे बांधने, श्रमदान और जनसहभागिता जैसी गतिविधियां केवल क्रियात्मक उपाय नहीं हैं; वे उस चेतना का पुनर्निर्माण हैं, जो आधुनिकता की दौड़ में हमने खो दी थी। राज्य सरकार की यह पहल सराहनीय है कि जल संरक्षण को केवल योजनाओं तक सीमित न रखकर उसे जन आंदोलन के रूप में स्थापित किया जा रहा है। विद्यालयों, पंचायतों, सामाजिक संस्थाओं और आम जन को इससे जोड़कर जिस सामाजिक सहभागिता की नींव रखी जा रही है, वह दीर्घकालीन परिवर्तन की आशा जगाती है।

(रोहित मित्तल)
सहायक जनसम्पर्क अधिकारी,
सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय,
धौलपुर।

अभियान का आगाज

शाहपुरा। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में वन विभाग शाहपुरा द्वारा करोलाई तालाब ढिकोला में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमे तालाब क्षेत्र में पॉलीथिन सफ़ाई कर तालाब को प्लास्टिक मुक्त का कार्य किया और तालाब में श्रमदान का कार्य किया गया । मौके पर उपस्थित लोगों को जल संरक्षण हेतु शपथ दिलाई गई ।

ऐतिहासिक स्थलों पर योगाभ्यास

■ अभियान के तहत आज योग फॉर निरोगी बूंदी की टीम ने योग किया

बूंदी। एकादश अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आमजन को योगाभ्यास के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं आयुर्वेद विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित योग काउंटडाउन एट हेरिटेज अभियान जारी है।

इस अभियान के तहत आज योग फॉर निरोगी बूंदी की टीम ने शहर के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों – नवलसागर झील, जेतसागर झील और सुखमहल पर योग प्रोटोकॉल का अभ्यास किया। मुख्यमंत्री की मंशानुरूप जिले के धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों पर योगाभ्यास आयोजित करने के निर्देशानुसार, जिला कलक्टर अक्षय गोदारा के मार्गदर्शन में यह अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान प्रभारी एवं जिला आयुर्वेद चिकित्सालय बूंदी के पीएमओ डॉ. सुनील कुशवाह के नेतृत्व में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. विमला परमार और योग प्रशिक्षकों दीपक गुर्जर, भूपेन्द्र योगी, चांदनी वरयानी, शक्ति तोषनीवाल, सरला कुशवाह, पूजा खत्री, प्रांशु सिंह गहलोत, शिखर पंचौली, अश्विनी शर्मा कूक्की, रविन्द्र गुर्जर और रामलक्ष्मण मीणा सहित 25 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया।

राशिफल गुरूवार 12 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, मूल नक्षत्र रात्रि 9:57 तक, शुभ योग दिन 2:05 तक, कौलव करण दिन 2:28 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृष, चन्द्रमा–धनु, मंगल–सिंह, बुध–मिथुन, गुरू–मिथुन, शुक्र–मेष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज ज्वालामुखी योग दिन 2:28 तक है। आज गुरू हरगोविन्द जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:19 तक, चर 10:44 से 12:26 तक, लाभ अमृत 12:26 से 3:51 तक, शुभ 5:34 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:31, सूर्यास्त 7:16

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज परिवार में अनावश्यक धन खर्च होगा।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। ईर्ष्या–वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कन्या
घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

मीन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक में सुधार होगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 45 प्रभात चूरू, गुरुवार 12 जून, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि प्रेरणा दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

श्रद्धांजलि सभा में 11 राष्ट्रीय स्तर के नेता, 8 सांसद, 47 विधायक तथा 83 पूर्व विधायक एवं मंत्रियों के पहुंचने का दावा किया जा रहा है

- माना जा रहा है कि सचिन पायलट ने श्रद्धांजलि सभा के माध्यम से शक्ति प्रदर्शन कर अपने विरोधियों को अपनी राजनैतिक ताकत का अहसास कराया।
- पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, हम दूर कब थे, मोहब्बत हमेशा वही बनी रहती है। हम कभी दूर नहीं थे। हम सब एक हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की 25 वीं पुण्यतिथि पर दौसा में राजेश पायलट के स्मारक, जीरोता में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। इस श्रद्धांजलि सभा में सचिन पायलट के साथ राष्ट्रीय स्तर के 11 नेता, 8 सांसद, 47 विधायक तथा 83 पूर्व विधायक एवं मंत्री सहित भारी तादाद में कांग्रेसी उमड़े।

दौसा, 11 जून। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में बुधवार को राजेश पायलट के स्मारक, जीरोता पर राजेश पायलट की 25 वीं पुण्यतिथि "प्रेरणा दिवस" पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

राजेश पायलट स्मारक, जीरोता में आयोजित श्रद्धांजलि एवं सर्वधर्मसभा के आयोजन से पूर्व सभी नेताओं ने राजेश पायलट स्मारक, भंडाना पर भी पहुंचकर राजेश पायलट की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मीडिया के सामने बोलते हुये पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की आंखें नम हो गईं। उन्होंने कहा कि 25 साल पहले आज के दिन पायलट साहब हमसे जुदा हो गए थे। एक दुखद रोड दुर्घटना में उनका निधन हो गया था। हमसे उनका बिछड़ जाना बड़ा ही दुखदाई है। मेरे साथ-साथ बहुत सारे लोग हैं, जिनको उनकी कमी आज भी खलती है।

सर्वधर्म प्रार्थना सभा में वैदिक मंत्रों के साथ-साथ, कुरान, बाइबिल और गुरबानी का पाठ भी हुआ और महात्मा गांधी के प्रिय भजन "रघुपति राजा राघव राम" की प्रस्तुति भी हुई। इससे पहले, सर्वधर्म प्रार्थना सभा के लिए लगाए गए विशाल डोम में राजेश पायलट की जीवनी पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म भी दिखाई गई, जिसमें उनके भारतीय वायु सेवा में रहते और उसके बाद राजनीति में उनके कामकाज को दिखाया गया। उसके पश्चात 2 मिनट का मौन धारण करके भी उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इससे पहले राजेश पायलट के सड़क दुर्घटना स्थल पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोनम सहित सभी 5 आरोपी 8 दिन की रिमांड पर

इंदौर/शिलांग, 11 जून। राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में मेघालय के शिलांग कोर्ट ने पत्नी सोनम समेत पांच आरोपियों को 8 दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा। बुधवार को मेघालय पुलिस ने सोनम रघुवंशी समेत चार अन्य आरोपियों का मेडिकल कराने के बाद उन्हें शिलांग की कोर्ट में पेश किया था। मेघालय पुलिस के द्वारा राजा रघुवंशी की हत्या का

- सोनम पर उसके पति राजा रघुवंशी की हत्या के आरोप है। मेघालय पुलिस ने आज उसे शिलांग कोर्ट में पेश किया था।

सीन भी रीक्रिएट किया जाएगा। मंगलवार की रात को मेघालय पुलिस ने गाजीपुर की कोर्ट से सोनम रघुवंशी की ट्रांज़िट रिमांड हासिल की थी। इसके साथ ही, मेघालय पुलिस ने उस जगह की तस्वीर भी जारी कर दी है, जहां पर राजा रघुवंशी की हत्या की गई थी। पुलिस ने आरोपियों की 10 दिन की रिमांड कोर्ट से मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने पांच दिन की रिमांड मंजूर की।

शिलांग कोर्ट से आठ दिन की रिमांड मिलने के बाद मेघालय पुलिस सभी को वापस सदर थाना लेकर आई है। यहीं पर सोनम रघुवंशी और चार अन्य आरोपियों से आगे की पूछताछ की जाएगी।

सचिन भूलने को तैयार हैं: पर हाईकमान गहलोत के मामले में दरियादिली दिखाने के लिए तैयार नहीं है

तो क्या भारी गर्मी में लगातार पसीने पोंछते हुए, सचिन के आमंत्रण का मान रखते हुए गहलोत का भंडाना जाना व्यर्थ ही साबित होगा?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जून। सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच एक दूसरे को नीचे गिराने का जो खेल चल रहा है, उसने एक रोचक मोड़ ले लिया है।

सचिन पायलट अपने पिता राजेश पायलट को निकम्मा, नाकारा कहा था। पायलट व उनके सहयोगियों पर देशद्रोह का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था। यही नहीं, पायलट कहीं मुख्यमंत्री न बन जाएं, इसके लिए गहलोत ने सोनिया गांधी तक के खिलाफ बगावत कर दी थी और भी न जाने क्या-क्या किया था।

- तत्कालीन मु.मंत्री अशोक गहलोत ने, युवा सचिन पायलट को सार्वजनिक रूप से नालायक, निकम्मा व नकारा कहा था। पर, सचिन ने इस अपमान व तिरस्कार को पचाकर, गहलोत को राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह के लिए घर जाकर आमंत्रित किया।
- पर, सोनिया गांधी व राहुल इस बार शायद माफ करने को तैयार नहीं, क्योंकि गहलोत ने अपने समर्थकों के साथ सोनिया गांधी के खिलाफ बगावत की थी तथा कांग्रेसाध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा भेजे दो प्रभारियों, खड़गे और माकन, को कांग्रेस विधायकों से नहीं मिलने देने की साज़िश रची थी।

पायलट की 25वीं पुण्यतिथि के लिए अशोक गहलोत को आमंत्रित करने उनके घर गए। पायलट के पिता की पुण्यतिथि पर दौसा में आज एक विशाल कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सचिन पायलट ने बड़ा दिल दिखाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत को घर जाकर आमंत्रित किया, जबकि इन्हीं गहलोत ने गहलोत दिल्ली में कोई भी पद पाने की जी तोड़ कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सोनिया तथा राहुल उन्हें माफ करने को तैयार नहीं है और सूत्रों का कहना है कि उन्हें कहीं भी कोई भी भूमिका मिलने की संभावना नहीं है।

मजे की बात यह रही कि आज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सचिन के निमंत्रण पर कांग्रेस के लगभग सभी नेता उमड़े

दौसा, 11 जून। किसान नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. श्री राजेश पायलट जी की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर दिनांक 11 जून, 2025 को भण्डाना, जिला दौसा में आयोजित "सर्वधर्म प्रार्थना सभा" में निम्नलिखित प्रबुद्धजन उपस्थित रहेंः-

वरिष्ठ नेता

- सुखजिन्दर सिंह रंधावा, सांसद, एआईसीसी प्रभारी-राजस्थान
- ऋत्विक मकवाना, एआईसीसी सह प्रभारी-राजस्थान
- चिरंजीराव, एआईसीसी सह प्रभारी-राजस्थान
- धीरज गुर्जर, सचिव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
- सुश्री दिव्या मदेरणा, सचिव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
- दानिश अबरार, सचिव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
- देवेन्द्र यादव, विधायक, छत्तीसगढ एवं सचिव, एआईसीसी
- उदयभानु चीब, राष्ट्रीय अध्यक्ष, युवा कांग्रेस
- अलका लाम्बा, राष्ट्रीय अध्यक्ष, महिला कांग्रेस
- वरूण चौधरी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, एन.एस.यू.आई.
- विजय जांगिड़, संयुक्त सचिव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

सांसद

- मुरारीलाल मीणा
- बृजेन्द्र सिंह ओला
- हरीश मीणा
- कुलदीप इन्दौरा
- भजनलाल जाटव
- श्रीमती संजना जाटव
- श्री उम्मेदाराम बेनीवाल
- श्री राहुल कसवां

विधायक

- अशोक गहलोत
- सचिन पायलट
- गोविन्दसिंह डोटासरा
- टीकाराम जूली
- हरीश चौधरी
- सुरेश मोदी
- वीरेन्द्र सिंह
- रामकेश मीणा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसी के तापमान पर सरकार ने लगाम लगाई

नई दिल्ली, 11 जून। देश के कई इलाकों में भीषण गर्मी और हीटवेव के बीच सरकार ने एयर कंडीशनर के टेम्प्रेचर को रेगुलेट करने का ऐलान कर दिया है। केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मंगलवार को जानकारी दी कि भारत सरकार जल्द ही

- एसी का तापमान अब 20 से 28 डिग्री सैल्सियस के बीच सीमित रखने की योजना है।

एसी के तापमान को मानकीकृत करने का प्रयोग शुरू करेगी। इस योजना के तहत, एयर कंडीशनर को 20 डिग्री सेल्सियस से कम ठंडा नहीं किया जा सकेगा। खट्टर के मुताबिक, एसी के तापमान को 20 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच सीमित करने की योजना है। इससे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जुलाई में एक लाख करोड़ रूपए के एमओयू की ग्राउण्ड ब्रेकिंग करें'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने इन्वैस्टमैंट समिट में विभिन्न विभागों के एमओयू की समीक्षा की

- मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि जो भी घोषित पॉलिसी अभी लम्बित हैं, उन्हें 31 जुलाई तक अंतिम रूप दें। साथ ही जारी हो चुकी पॉलिसी के शेष नोटिफिकेशन 30 जून तक जारी करें।

जयपुर, 11 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की प्रदेश के विकास को समर्पित निवेश और उद्योग संबंधी नीतियों के परिणामस्वरुप राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए एमओयू निरंतर धरातल पर मूर्त रूप ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सवा तीन लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग से प्रदेश के विकास को नई गति मिली है। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय से आगामी माह में एक लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए विभिन्न विभागों के

(शेष पृष्ठ 5 पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए विभिन्न विभागों के एमओयू की समीक्षा बैठक ली।

बीएसएफ के जवानों को गंदगी भरी ट्रेन मुहैया कराई

नयी दिल्ली, 11 जून। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों के लिए पुराना एवं गंदगी भरा ट्रेन सेट उपलब्ध कराने पर कड़ी कार्रवाई की है और चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। वैष्णव ने बुधवार को यहां पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि इस घटना की जानकारी मिलने के चार घंटे के भीतर

- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस मसले पर सख्त एक्शन लिया व चार अफसरों को निलम्बित किया।

कार्रवाई की गई है। रैक बदलने के साथ ही इस गलती के लिए जिम्मेदार अलीपुरद्वार मंडल के चार अधिकारी निलंबित कर दिये गये हैं। सूत्रों के अनुसार, निलंबित अधिकारियों में अलीपुरद्वार कोचिंग डिपो के प्रभारी तथा मंडल के तीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर शामिल हैं।

लॉस एंजलिस के बाद न्यूयॉर्क, टैक्सस, शिकागो और ऑस्टिन में भी आक्रामक प्रशासन विरोधी प्रदर्शन फैले

इमीग्रेशन व कस्टम विभाग की ज्यादतियों व दादागिरी के खिलाफ जनता संगठित हुई

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जून। एंटी इमिग्रेशन प्रदर्शन अमेरिका भर में फैल रहे हैं। लॉस एंजिल्स के बाद अब न्यूयॉर्क, टैक्सस और ऑस्टिन में भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। शिकागो में कुछ अधिक आक्रामक प्रदर्शन देखने को मिले हैं।

ये प्रदर्शन इमिग्रेशन और संबंधित विभागों की कथित मनमानी के खिलाफ हो रहे हैं और इन्हें "आईसीई आंदोलन" कहा जा रहा है।

प्रमुख शहरों से अमेरिकी सरकार के इमिग्रेशन और कस्टम्स विभाग के खिलाफ गंभीर विरोध की खबरें आ रही हैं। विरोध प्रदर्शनों का मुख्य कारण प्रशासन द्वारा लोगों को जबरन हिरासत में लेने की कार्रवाई है, जिससे पारिवारिक ढांचे पर बुरा असर पड़ रहा है।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार की एंटी-इमिग्रेशन एजेंसियों ने चुन-चुन कर लंबे समय से अमेरिका में रह रहे परिवारों के सदस्यों को उठाया है। कई माता-पिता को उनके बच्चों और परिवार से जबरन अलग किया जा रहा है।

कैलिफोर्निया में स्पेनिश-अमेरिकन समुदाय का आरोप है कि उन्हें टारगैट किया जा रहा है।

- संगठित होने का एक बड़ा कारण था, यह चर्चा फैलना कि कई वर्षों से अमेरिका में रह रहे विदेशियों के परिवार टूट रहे हैं, इन विभागों की सख्ती व काम करने के बेरहम तरीकों से।
- कुछ लोगों में, विशेषकर स्पैनिश अमेरिकियों में तथा मैक्सिकन मूल के लोगों में इस भावना ने जोर पकड़ा कि उन्हें विशेषकर टारगैट किया जा रहा है।
- लॉस एंजलिस में मैक्सिकन मूल के बाशिंदों की इस "टारगैटिंग" के विरूद्ध लोग सड़कों पर निकले मैक्सिको का झण्डा लेकर, पुलिस व नैशनल गार्ड ने झण्डे लेकर निकले लोगों पर डण्डे बरसाये व हिरासत में डाला। सिविल राइट्स के समर्थकों ने इस बात पर भारी हल्ला-हंगामा किया कि अमेरिकी नागरिकों को किसी भी देश का झण्डा फहराने की पूर्ण स्वतंत्रता है तथा झण्डा फहराना कोई अपराध नहीं है।
- न्यूयॉर्क के पुलिस अफसरों का भी मानना है, स्थानीय विरोध प्रदर्शन से निपटने के लिए सेना को बुलाना दुर्भाग्यपूर्ण व गलत है। इसे स्थानीय पुलिस ही आसानी से संभाल सकती है।

बच्चों को उनके घरों से जबरदस्ती उठाया जा रहा है। विभिन्न समुदायों में भय है कि उन्हें निशाना बनाया जा सकता है। कुछ छात्र तो स्कूल और ग्रेजुएशन समारोहों में भी नहीं जा रहे हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि कहीं पुलिस उन्हें पकड़ न ले।

लॉस एंजिल्स, जो अमेरिका का दूसरा सबसे बड़ा शहर है, वहां मैक्सिकन परिवारों को खास तौर पर निशाना बनाया जा रहा है। प्रदर्शनकारी सड़कों पर मैक्सिकन झंडा लहराकर प्रदर्शन कर रहे हैं, जो उनके मूल देश को दर्शाता है। अधिकारियों का कहना है कि जो लोग मैक्सिकन झंडों के साथ बदसलूकी कर रहे हैं, वे मैक्सिकन नागरिक हैं।

हालांकि अमेरिकी अधिकार समूहों का कहना है कि अमेरिकी नागरिकों को कोई भी झंडा दिखाने का अधिकार है, और मैक्सिकन झंडा लहराना कोई अपराध नहीं है।

इसी बीच, अमेरिका के कई प्रमुख वर्गों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आधार प्रमाणित यूज़र ही बुक कर सकेंगे तत्काल टिकट

नई दिल्ली, 11 जून। रेल मंत्रालय ने बताया है कि एक जुलाई 2025 के बाद से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही तत्काल योजना के तहत टिकट बुक कर सकेंगे। 10 जून, 2025 के एक परिपत्र में मंत्रालय ने सभी जोनल रेलवे को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि तत्काल योजना का लाभ आम अंतिम

- रेल मंत्रालय ने सभी ज़ोनल कार्यालयों को यह आदेश एक जुलाई 2025 से लागू करने को कहा है।

उपयोगकर्ताओं को मिले। मंत्रालय ने कहा, "01-07-2025 से तत्काल योजना के तहत टिकट आईआरसीटीसी की वेबसाइट /इसके ऐप के माध्यम से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही बुक कर सकेंगे।" इसके बाद, 15 जुलाई 2025 से तत्काल बुकिंग के लिए आधार-आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण भी अनिवार्य कर दिया जाएगा।

संक्षिप्त

केवलादेव से 22 चीतल मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व भेजे

भरतपुर (निस)। राजस्थान के टाइगर रिजर्व में बाघों के लिए प्रचुर प्राकृतिक शिकार उपलब्ध कराने की मंशा से केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (घना) से चीतलों की स्थानांतरण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इस कड़ी में बुधवार को 22 चीतल मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व भेजे गए यह कार्य अफ्रीकी बोमा तकनीक की मदद से पूरी तरह सुरक्षित और व्यवस्थित ढ ंग से किया गया। घना निदेशक मानस सिंह ने बताया कि मंगलवार रात बोमा तकनीक के जरिए 22 चीतल पकड़े गए थे. इन्हें बुधवार सुबह मुकुंदरा भेजा गया. आने वाले दिनों में दो बड़े टाइगर रिजर्व मुकुंदरा हिल्स और रामगढ़ विषधारी में 250-250 चीतल और भेजे जाएंगे। अब तक केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान से 543 चीतल स्थानांतरित किए जा चुके हैं। इनमें 400 मुकुंदरा और 143 चीतल रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में छोड़े गए। घना निदेशक मानस सिंह ने बताया कि टाइगर रिजर्व में बाघों की बढ़ ती संख्या के साथ उनके लिए पर्याप्त प्राकृतिक शिकार (प्रे बेस) की आवश्यकता महसूस की जा रही है। चीतल, बाघों का प्रमुख शिकार होते हैं। चीतलों की मौजूदगी से बाघों का शिकार व्यवहार स्वाभाविक बना रहेगा। इससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की संभावना कम होगी। इसके अलावा यह जैव विविधता को संतुलित रखने और पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत करने में भी सहायक होगा। निदेशक मानस सिंह ने बताया कि चीतल अत्यंत सतर्क व संवेदनशील वन्यजीव हैं। इन्हें पारंपरिक तरीकों से पकड़ना मुश्किल होता है, इसलिए अफ्रीकी देशों में इस्तेमाल बोमा तकनीक को अपनाया गया। इसमें जंगल में झाड़ियों व पेड़ों के बीच लकड़ी, जाल व प्राकृतिक अवरोध से बाड़े बनाए जाते हैं. चीतलों के लिए इन बाड़ों में चारा डाला जाता है. अंतिम घेरे में लगे दरवाजे से पिंजरे वाले ट्रक में चीतल स्वाभाविक रूप से पहुंच जाते हैं।

आरक्षण के लिए हुई जाट महापंचायत

भरतपुर (निस)। भरतपुर डीग और धौलपुर जिले के जाट समाज को केंद्र की ओबीसी में आरक्षण की मांगों को लेकर डीग जिले की कुम्हेर तहसील में स्थित पेंगोर की चामड़ माता मंदिर पर बुधवार को महापंचायत का आयोजन किया गया। महापंचायत में भरतपुर डीग और धौलपुर जिले के जाट समाज के प्रमुख लोग शामिल हुए। महापंचायत में कमेटी ने निर्णय लिया है कि 29 जून को आगरा - जयपुर नेशनल हाईवे स्थित डहरा मोड़ गांव में हुंकार रैली का आयोजन किया जाएगा. उससे पहले जाट समाज के गांव में नुक्कड़ सभा एवं एक मटकी में एक गेंहू का दाना और एक रुपया प्रत्येक घर से एकत्रित किया जाएगा। हुंकार रैली से पहले आरक्षण संघर्ष समिति द्वारा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में जाट समाज के गांव गांव में नुक्कड़ सभा का आयोजन किया जायेगा और साथ ही एक मटकी में प्रत्येक घर से एक गेहूं का दाना और एक रुपया लिया जाएगा। पहली नुक्कड़ सभा 12 जून से रूपवास में आयोजित की जाएगी.25 से 29 जून के बीच डहरा मोड के आस पास के गांव में संपर्क किया जाएगा। जाट समाज द्वारा आयोजित महापंचायत समाप्त होने के बाद आरक्षण संघर्ष समिति द्वारा डीग एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम चार मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। जाट आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक नेम सिंह फौजदार ने बताया कि जाट समाज द्वारा चार मांगो को लेकर महापंचायत हो रही है। पहली मांग भरतपुर ,डीग और धौलपुर के हाट समाज के युवाओं को केंद्र की सरकारी नौकरियों में ओबीसी वर्ग में आरक्षण ,दूसरी मांग 2015 से 2017 तक विभिन्न विभागों में चयनित अभ्यर्थियों को हाईकोर्ट के आदेशों के बाद नियुक्ति,तीसरी मांग महाराजा सूरजमल कल्याण बोर्ड का गठन किया जाए साथ ही पूर्व आरक्षण आंदोलन के दौरान लगे मुकदमों को वापस लिया जाए। 29 जून 2025 को आगरा-जयपुर नेशनल हाईवे स्थित नदबई उपखंड के गांव डहरा मोड पर हुंकार रैली का आयोजन किया जायेगा।

सूने मकान में 15 लाख की चोरी

शातिर चोर को दबोचा, कई शहरों में वारदात को अंजाम दिया

अजमेर (कासं)। सिविल लाइंस थाना पुलिस ने खादिम टूरिस्ट बंगला के पीछे मर्शी विला में 31 मई से 1 जून के बीच हुई करीब 15 लाख के सोने-चांदी के जेवर चोरी के मामले का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में एक शातिर चोर को दबोच लिया है।

- **आरोपी से चोरी का माल भी बरामद कर लिया है। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि शातिर आरोपी ने अलग-अलग शहरों में कई चोरी की वारदात को अंजाम दिया है**

आरोपी से चोरी का माल भी बरामद कर लिया है। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि शातिर आरोपी ने अलग-अलग शहरों में कई चोरी की वारदात को अंजाम दिया है । पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सिविल लाइंस थाना पुलिस ने चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

सिविल लाइन थाना प्रभारी शंभू सिंह शेखावत मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 77 वर्षीय आशा जॉनसन ने 3 जून को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया कि 27 मई को वे अपनी बेटी के पास दिल्ली गई थीं। 1 जून को पड़ोस में रहने वाली एक रिश्तेदार महिला ने सूचना दी कि उनके घर में चोरी हो गई है। चोर सोने-चांदी के आभूषण, बर्तन, दो कारों की आरसी सहित अन्य कीमती सामान ले गया था।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद वारदात के तरीके के आधार पर पुराने अपराधियों की लिस्ट तैयार कर पूछताछ की। साथ ही अजमेर शहर में लगे 3 सौ से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। इस दौरान 1 जून की रात 2 बजे अजमेर क्लब चौराहे के पास एक संदिग्ध व्यक्ति कैमरे में कैद हुआ।

पुलिस ने जांच करते हुए आरोपी की पहचान बबलू उर्फ बबली उर्फ राजेंद्र के रूप में की और उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी विभिन्न शहरों में पहचान बदलकर किराये के मकानों में रहकर पहले रेकी करता, फिर वारदात को अंजाम देकर शहर छोड़ देता था।

फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और अन्य वारदातों में भी उसकी संलिप्तता की जांच की जा रही है।

खाटूश्याम से किडनैप 3 साल का रक्षम मथुरा में मिला

सीकर (निसं)। जिले के खाटूश्यामजी में दर्शन के लिए आए परिवार के अगवा हुए बालक को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने 5 दिन में करीब 700 सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद खाटूश्यामजी पुलिस थाना, नीमकाथाना पुलिस व सीकर डीएसटी की संयुक्त टीम ने यूपी से बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया 700 सीसीटीवी फुटेज खंगाले ।

मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण यादव ने बताया कि 7 जून को मध्य प्रदेश के भोपाल जिले की रहने वाली ललित जाटव पत्नी अजय जाटव ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी 3 साल के बेटे रक्षम का अपहरण हो गया है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और सीकर जिले सहित उत्तर प्रदेश के कई स्थानों के करीब 700 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज चेक किएजांच में पता चला कि आरोपी मासूम बालक को उत्तर प्रदेश के वृंदावान के आसपास के इलाके में लेकर आया है।

2 महीने में प्रारंभ हो जाएगा एलिवेटेड रोड का कार्य : शेखावत

- **केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने एलिवेटेड रोड को लेकर जानकारी दी**
- **भाजपा कार्यकर्ताओं ने केन्द्रीय मंत्री शेखावत का स्वागत अभिनंदन किया**

जोधपुर, (कासं) । स्थानीय सांसद और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने स्पष्ट रूप से कहा कि जोधपुर एलिवेटेड रोड का कार्य अगले दो महीने में प्रारंभ हो जाएगा। वो बुधवार को एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

एलिवेटेड रोड से जुड़े सवाल पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि जोधपुर में जिस तरह से ट्रैफिक का दबाव है। पिछले लंबे समय से हम इसके लिए प्रयास कर रहे थे। कई तरह के तकनीकी अध्ययनों के बाद कुछ छोटी-मोटी दिक्कतों को पार किया गया। मैं धन्यवाद करना चाहता हूं, देश के प्रधानमंत्री और नितिन गडकरी का, उन्होंने जिस तरह का वादा हमने किया था, उसके अनुरूप जोधपुर को यह सौगात दी है।

शेखावत ने कहा कि मुझे लगता है कि सभी तरह की तैयारी हो चुकी है। टेंडर डॉक्यूमेंट पब्लिश हो गया है। टेंडर भी हो जाएगा और अगले दो महीने के अंदर काम प्रारंभ हो जाएगा। नई तकनीकी के साथ में इस रोड को बनाने का निर्णय नितिन गडकरी ने किया है, जिसमें दो पिलर्स के बीच में स्पैन सामान्यत जितना होता है, उससे दोगुना होगा। उसमें पिलर्स की संख्या कम होगी। उन्होंने कहा कि मैं ये मानता हूं कि एलिवेटेड रोड के पूरे होने के बाद में जोधपुर की ट्रैफिक की समस्या से एक लंबे समय के लिए हमें निजात मिलेगी। निश्चित रूप से ये 7.6 किमी एलिवेटेड रोड जोधपुर की लाइफ लाइन बनेगी। केंद्र में मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने को लेकर पूछे सवाल पर शेखावत ने कहा कि जिस आजादी को हमने लाखों कुर्बानियों के बाद में अर्जित किया था। जिस तरह की सरकारें अधिकांश समय दिल्ली में रहीं। सत्ता में रहीं। उनके चलते हुए, जिस तरह की परिस्थितियां वर्ष 2014 से पहले बन गई थीं। भ्रष्टाचार के कारण, आतंकवाद के प्रहारों के कारण, बढ़ते हुए नक्सलवाद के कारण, पॉलिसी पैरालिसिस के कारण, भाई-भतीजावाद के कारण, सामान्य मानवी का इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास डगमगाने लगा था। 11 साल के इस कालखंड में बड़े, कड़े, ऐतिहासिक और देशहित में फैसले लेकर मोदी सरकार वो विश्वास देश के आमजन में वापस सजित करने में कामयाब हुई है।

शेखावत ने कहा कि आज भारत की तरफ देखने की न केवल विश्व की दृष्टि बदली है, अपितु भारत का सामर्थ्य ऑपरेशन सिंदूर के बाद में पूरे विश्व के सामने एक नए सिरे से गढ़ा गया है। मैं यह मानता हूं कि आज देश के 140 करोड़ लोगों की ताकत से नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश विकसित हो सकता है, इस संकल्प को सिद्ध करने के लिए देश आगे बढ़ रहा है।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत आज दोपहर दिल्ली से जोधपुर पहुंचे। एयरपोर्ट से सीधे जोधपुर शहर भारतीय जनता पार्टी की मेज़बानी में जोधपुर इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन सभागार में आयोजित संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम में शामिल हुए। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की 11 वर्ष में किए विकास कार्यों ओर उपलब्धियों पर संवाद किया। जोधपुर में मल्टीलेवल एलिवेटेड कोरिडोर की सौगात मिलने से उत्साहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री शेखावत का विशाल माला पहना कर स्वागत अभिनंदन किया।

बाद में राजस्थान सरकार के उप मुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा के साथ पत्रकार वार्ता में नरेन्द्र मोदी सरकार के ग्यारह साल की उपलब्धियों पर चर्चा की। पत्रकार वार्ता में शहर विधायक अतुल भंसाली, जोधपुर शहर जिला अध्यक्ष राजेन्द्र पालीवाल, देहात दक्षिण अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी सहित अनेक पदाधिकारी जनप्रतिनिधि भाजपा कार्यकर्ता कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जैसलमेर में गाड़ी व कार टक्कर में दूल्हे सहित 3 लोगों की मौत

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले के बासनपीर गांव के पास मंगलवार रात गाड़ी ने कार को टक्कर मारी इस भीषण सड़क हादसे में दूल्हे सहित 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं 4 गंभीर घायलो में दुल्हन शामिल है सूचना पर पुलिस द्वारा सभी को 108 की मदद से जवाहिर अस्पताल लाया गया, जहां से गंभीर घायलों को जोधपुर रेफर किया गया।

हादसे की जानकारी मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे के कारणों की जांच के साथ टक्कर मारकर फरार होने वाली गाड़ी की तलाश शुरू की।

शादी करके दूल्हा-दुल्हन सहित सभी लोग कार में लौट रहे थे, उस दौरान अज्ञात गाड़ी की टक्कर से हादसा हुआ।

सदर थाना पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल जसवंतसिंह ने बताया कि पोकरण से कार से लौट रहे लोगों को मंगलवार रात करीब 12 बजे के बाद बासनपीर गांव के पास अज्ञात गाड़ी ने भीषण टक्कर मारी और फरार हो गया। मृतकों में दूल्हा लीलाराम (45) पुत्र गुमानाराम ओड, दूल्हे की बहन मूली देवी (35) पत्नी बाबूराम ओड, हितेश (9 महीना) पुत्र अशोक कुमार ओड निवासी पोकरण शामिल है। वहीं हादसे में अशोक, हेमलता पत्नी अशोक, दुल्हन बसंती (40) व पुखराज गंभीर घायल हो गए। चारों घायलों को जोधपुर रेफर किया गया है। मृतक लीलाराम व मूली देवी भाई-बहन है, वहीं मृतक 9 महीने का हितेश गंभीर घायल अशोक-हेमलता का बेटा है। अशोक व हेमलता दुल्हन बसंती के भाई-भाभी है और मृतक हितेश दुल्हन का भतीजा था। वहीं घायल पुखराज भी दुल्हन बसंती का रिश्तेदार बताया जा रहा है, जिसकी कार में सभी जैसलमेर आ रहे थे। जानकारी के अनुसार मृतक लीलाराम और घायल बसंती की मंगलवार को पोकरण में शादी हुई थी। दोनों की ये दूसरी शादी थी। रात को दुल्हन बसंती के रिश्तेदार पुखराज की कार में 7 लोग जैसलमेर के लिए रवाना हुए।

जैसलमेर में गाड़ी व कार टक्कर में कार के परखच्चे उड़ गये।

तुफान गाड़ी व जीप की टक्कर में 4 की मौत, तेरह घायल

आहोर, (निसं)। आहोर थाना क्षेत्र में राष्टीय राजमार्ग 325 पर चरली गांव के पास मंगलवार की देर रात तुफान कार व जीप में हुई आमने-सामने भीषण टक्कर में चार लोगों की अकाल मौत हो गई। सूचना पर आहोर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को आहोर के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। थानाधिकारी करणसिंह ने बताया कि सड़क पर अचानक आए एक सांड को बचाने के चक्कर में दोनों वाहन सांड सहित आपस में टकरा गए जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक महिला ने उपचार के दौरान दम तौड दिया। जानकारी के मुताबिक सिरोही जिले के कोलीवाडा से कुछ लोग तुफान गाडी में सवार होकर रामदेवरा दर्शन के लिए जा रहे थे। चरली के पास एक सांड को बचाने के चक्कर में सामने से आ रही जीप से जबरदस्त भिडंत हो गई। हादसे में जीप में सवार आहोर के मोरू निवासी पूर्ण सिंह व भूती निवासी फोटोग्राफर जगदीश वैष्णव एवं तुफान में सवार सिरोही के कोलीवाडा निवासी रखमादेवी मेघवाल की मौके पर ही मौत हो गई।

श्रीमाधोपुर में दो दोस्तों का एक साथ अंतिम संस्कार

दौसा-मनोहरपुर नेशनल हाईवे पर शादी समारोह से लौट रहे थे

श्रीमाधोपुर। दौसा-मनोहरपुर नेशनल हाईवे पर बुधवार सुबह करीब 6:10 बजे जयपुर ग्रामीण क्षेत्र के भटकाबास गांव के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में दुल्हन सहित 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि दूल्हे समेत 8 बाराती गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में जान गंवाने वालों में श्रीमाधोपुर के हांसपुर निवासी सुभाष मीणा (28) और जीतेंद्र उर्फ जीतू कुमावत (33) शामिल हैं। मृतक सुभाष के बड़े भाई शंकरलाल (35) और नरेश (33) भी हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना उस समय हुई जब शहडोल (मध्यप्रदेश) से लौट रही एक जीप में बारात के लोग सवार थे। यह जीप झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी के गुढ़ा गोडजी जा रही थी, जहां दूल्हा विक्रम मीणा (25) की शादी थी। हादसे के बाद सभी घायलों को निम्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद दोपहर को सुभाष और जीतू के शव हांसपुर लाए गए, जहां गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। एक ही मोहल्ले से एक साथ निकलीं दो अर्थियों को देख गांव में सन्नाटा छा गया और बाजार पूरी तरह बंद हो गए।

भटकाबास गांव के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में दुल्हन सहित 5 लोगों की मौत हो गई ।

- **जयपुर के पास में जीप-ट्रक की टक्कर में 5 लोगों की मौत**

साले की शादी में शामिल होने गए थे तीनों भाई : मृतक सुभाष मीणा अपने दो बड़े भाई शंकरलाल और नरेश के साथ अपने साले विक्रम मीणा की शादी में शामिल होने शहडोल गया था। सुभाष का ससुराल भी गुढ़ा गोडजी में ही है। सुभाष के साथ उसका पडोसी और करीबी दोस्त जीतू कुमावत भी शादी में गया था। शादी के बाद लौटते समय यह हादसा हो गया।

मजदूरी कर जीवन चलाते थे दोनों मित्र : सुभाष और जीतू दोनों ही मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिवार की शीशराम ने बताया कि सुभाष जयपुर की एक कैंटीन में कार्य करता था, जबकि जीतू मकान निर्माण में मिस्त्री का काम करता था। जीतू तीन भाइयों में सबसे छोटा था। उसके माता-पिता और एक छोटा भाई पहले ही स्वर्गवासी हो चुके हैं। पीछे 14 वर्षीय साहिल और 13 वर्षीय समीर नाम के दो बेटे छोड गया है।वहीं सुभाष के भी दो बेटे हैं- 14 वर्षीय विराट और 12 वर्षीय सूरज है।

हादसे में दो चचेरे भाई की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती बनाड़ स्थित जाजीवाल कला गांव में हनुमान मंदिर के सामने बाइक सवार दो चचेरे भाईयों को कार चालक ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में दोनों भाईयों की मौत हो गई।

College of Veterinary and Animal Science
Navania, Vallabhnagar-313601, Udaipur (Rajasthan)
(Rajasthan University of Veterinary and Animal Sciences)

WALK-IN-INTERVIEW

Eligible candidates are invited for Walk-in Interview for contractual engagement as Teaching Associates purely on temporary basis for a limited period at CVAS, Navania, Vallabhnagar, Udaipur. For interview schedule and other details, please visit University website **www.rajuvas.org.**

DEAN
CVAS, Navania, Udaipur

Raj.Samwad/C/25/4024

कार्यालय नगर पालिका निवाई, टोंक

क्रमांक :– न.पा.नि/2025–26/3208 दिनांक : 09.06.2025

–: बिड सुचना :–

नगर पालिका निवाई क्षेत्र में नगर पालिका निवाई द्वारा 1 कार्य की बिड दिनांक 09.06.2025 समय 17.00 से दिनांक 19.06.2025 समय 18.00 तक आमंत्रित की जाती है। जिसमे इच्छुक संवेदक द्वारा वर्णित जेम – बिड में भाग ले सकते हैं । उपरोक्त जेम बोली की जानकारी एवं शर्तें विभागीय वेबसाइट **www.sppp.rajasthan.gov.in** पर तथा **www.gem.gov.in** एवं कार्यालय समय में प्राप्त/देखी की जा सकती है।

NIB- DLB2526A2246
UBN- DLB2526GSGB07281

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका निवाई

राज.संवाद/सी/25/4068

कार्यालय नगर पालिका राजगढ (चूरू)

क्रमांक :– 1489–1491 दिनांक :–04.06.2025

Notice Inviting Bid

Bids for NGO/FIRM/CON. are invited from interested bidders upto 05:00 PM (time) 07.06.2025 (date). Other particulars of the bid may be procurement portal (upto visited on **http://sppp.raj.nic.in**) of the state website. The approximate value of the procurement in Rs 12.94 LAC

NIB Code	UBN Code
DLB2526A2205	DLB2526GSOB07172
	DLB2526GSOB07173
	DLB2526GSOB07174
	DLB2526GSOB07175

राज.संवाद/सी/25/4003 Executive Officer

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण, कोटा, राजस्थान

क्रमांक : ननिको/दक्षिण/जनस्वास्थ्य स्टोर/2025/841–855 दिनांक : 10.06.2025

ई–निविदा सूचना 2025–26

नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी/अन्य सरकारी/अर्द्ध सरकारी विभागों के "A" व "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों एवं इच्छुक अनुभवी आवेदको/संवेदको से ई–निविदा पद्धति द्वारा नगर निगम कोटा दक्षिण के जनस्वास्थ्य अनुभाग में सफाई कार्य हेतु आवश्यक विभिन्न सामग्री आपूर्ति का कार्य हेतु कुल राशि 25.00 लाख रूपये की ऑनलाईन निविदा दिनांक 16.06.2025 से दिनांक 26.06.2025 तक आमन्त्रित की जाती हैं। संवेदक निविदा प्रपत्र नगर निगम कोटा की वेबसाईट **www.urban.rajasthan.gov.in/nnks**, **http://sppp.raj.nic.in**, **http://eproc.rajasthan.gov.in** से प्राप्त कर सकेंगे।

NIB Code No.DLB2526A2282 UBN No.DLB2526GLOB07376

उपायुक्त
नगर निगम कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/4051

नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :–न.प.सु/स्टोर शाखा/2025/2146 दिनांक :– 06.06.2025

–: ई–निविदा सूचना–2025–26 :–

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 25.06.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट **https://eproc.rajasthan.gov.in** से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट **www.sppp.raj.gov.in** पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक **(DLB2526GLOB07382), (DLB2526GLOB07384), (DLB2526GLOB07386)** है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ

राज.संवाद/सी/25/4037

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति (फल एवं सब्जी) जयपुर

महात्मा ज्योतिबा फूले मुख्य मण्डी प्रांगण ई-मेल kums.jaipurfv@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- 864 - 881 दिनांक :- 06/06/2025

ई-निविदा सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति (फल सब्जी) जयपुर द्वारा मुख्य मण्डी प्रांगण टर्मिनल मार्केट मुहाना में इन्क्यूबेशन सेन्टर स्थापित किये जाने हेतु विभिन्न शेष उपकरण एवं प्रयोगशाला सामग्री क्रय की जानी है तथा स्थापित इन्क्यूबेशन सेन्टर को 5 वर्ष के लिये संचालन हेतु इच्छुक संस्था/व्यक्ति को Operation and Management (O&M) आधार पर दिया जाना है। उक्त कार्यो हेतु कार्यालय द्वारा ऑनलाईन निविदा संख्या 02/2025–26, एव 03/2025–26 आंमत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र व शर्तें **sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in, https://agriculture.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है व **eproc.rajasthan.gov.in** पर दिनांक 09.06.2025 से दिनांक 01.07.2025 सांय 6:00 बजे तक निविदा दरे प्रस्तुत कर भाग लिया जा सकता है।

UBN No.- DAM2526GLOB00226, DAM2526SSOB00271

राज.संवाद/सी/25/4027 सचिव

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. MANGROL

File No. 235 **Notice Inviting Bid** Date: 23.05.2025

Bid for "BA-17.00/214.01/2025-26 Per Constituency Rs. 10.00/15.00 Cr. Non Patchable/Missing Link Road Work" NIT No. 04/2025-26 are invited from interested bidders up to 6.00 PM on 20.06.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 733.20 lacs.

क्र.सं.	UBN No.	क्र.सं.	UBN No.
1	PWD2526WSOB02398	2	PWD2526WSOB02399
3	PWD2526WSOB02400	4	PWD2526WSOB02401
5	PWD2526WSOB02402	6	PWD2526WSOB02406
7	PWD2526WSOB02410	8	PWD2526WSOB02411
9	PWD2526WSOB02412	10	PWD2526WSOB02414
11	PWD2526WSOB02416	12	PWD2526WSOB02419

(Kamal Ram Meena)
Executive Engineer
PWD Division Mangrol

DIPR/C/7005/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सा.नि.वि., खण्ड-बूंदी

क्रमांक :- 346 दिनांक : 24.05.2025

निविदा सूचना संख्या 06/2025–26

NIB code PWD2526A0796

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खंड बूंदी के अधीन विभिन्न सड़कों पर पेच रिपेयर/सीडी वर्क/रिनिवल कार्य/इंटरलोकिंग कार्य/फ्लड गेज कार्य के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केंद्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के ए, ए बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेब साईट www.diproline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकात है। निविदा अपलोड करने की तारीख 05.06.2025 से 14.06.2025 को सायं 6.00 बजे तक।

UBN is : PWD2526WSOB02501 UBN is : PWD2526WSOB02502
UBN is : PWD2526WSOB02504 UBN is : PWD2526WSOB02505
UBN is : PWD2526WSOB02506 UBN is : PWD2526WSOB02513
UBN is : PWD2526WSOB02517 UBN is : PWD2526WSOB02519
UBN is : PWD2526WSOB02520

(शेखर चन्द मीना)
अधिशाषी अभियंता, सा.नि.वि., खंड बूंदी

DIPR/C/7031/2025

OFFICE OF CEO
ZILA PARISHAD (RD CELL) JHALAWAR
E-Mail pd-jha-rj@nic.in
Ph. 07432-230434, 232011

No. 244-53 Dated : 23.05.2025

INVITATION FOR EXPRESSION OF INTEREST (EOI)

Zila Parishad (RD Cell) Jhalawar Invites Expression of Interest (EOI) from the eligible CSDCI enlisted agencies/organizations/institutions for conducting onsite Rural Mason training level 4 of 1000 Rural Masons(RMT/RPL) for the construction of houses under PRADHAN MANTRI AWAAS YOJNA-GRAMIN(PMAY-G) In district Jhalawar, CSDCI enlisted agencies/organizations/institutions fulfilling the eligibility criteria can access and download the complete EOI document from the website: www.sppp.rajasthan.gov.in or eproc.rajasthan.gov.in. For any query may contact PMAYG section of Zila Parishad Jhalawar during office hours. This invitation if being made through limited bidding method from eligible agencies. The listed eligible agencies are being intimated at their available address/email and the CSDCI is being informed the Intimate their affiliated agencies for this purpose. It is two part bidding online.THE MAJOR EVENTS UNDER SUBMISSION OF THE EOI PROCESS ARE:SR.No.KEY EVENTS1Name of work2FOI Bid Value3Publishing Date4567Bid Submission Start DateIMPORTANT DATESSelection of Training Providers for Rural Mason training level-4 under PMAYGRs. 138.60 Lacs28-05-2025Documents Download/Sale Start Date28-05-2025Bid Submission Closing Date & TimeTechnical Bid Opening Date & Time8Award of contractNIS No. ZJL2526A0080UBN No ZJL2526SLOB002722/0/7044/202528-05-202523-06-2025 at 01:00 PM23-06-2025 at 04:00 PMTo be intimated accordinglyChief Executive OfficerZila Parishad Jhalawar.

THE MAJOR EVENTS UNDER SUBMISSION OF THE EOI PROCESS ARE:

SR.NO.	KEY EVENTS	INPORTANT DATED
1.	Name of work	Selection of Training Providers for Rural Mason
2.	FOI Bid Value	Rs. 138.60 Lacs
3.	Publishing Date	28.05.2025
4.	Documents Download/Sale Start Date	28.05.2026
5.	Bid Submission Start Date	28.05.2025
6.	Bid Submission Closing Date & Time	23.06.2025 at 01.00 PM
7.	Technical Bid Opening Date & Time	23.06.2026 at 04.00 PM
8.	Award of contract	To be intimated accordingly

NIB No.: ZJL2526A0080, UBN No.: ZJL2526SLOB00272
DIPR/C/7044/2025 Chief Executive Officer, Zila Parisnad Jhalawar

सार-समाचार

गत रात्रि को मेडिकल स्टोर पर अज्ञात चोरों ने हाथ साफ किये

रतनगढ़ (निसं)। मुख्य बाजार में घंटाघर के पास एक मेडिकल स्टोर पर चोरों ने ताले तोड़कर हजारों रुपए की नकदी की चोरी कर ली। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। प्राप्त जानकारी अनुसार मुख्य बाजार में घंटाघर के पास स्थित श्याम मेडिकल स्टोर मुख्य मार्ग पर संचालित है। बीती रात चोरों ने दुकान के साईड का शटर के ताले तोड़कर करीब 30 हजार रुपए की नकदी की चोरी कर ली। घटना के बाद चोरों ने तालों को दुकान से दूर फेंक दिया। सुबह जब उक्त स्थान पर झाड़ू लगाने वाली महिला आई, तो टूटे ताले देखकर दुकान मालिक को घटना से अवगत करवाने पर मनोज जोशी, अनूप व राजेश जोशी दूकान पर पहुंचकर घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने मौका मुआयना कर घटना की जानकारी ली। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड भी लग गई व भीड पुलिस की गश्त प्रकिया पर आक्रोशित नजर आई व मौके पर मौजूद व्यापारियों ने पुलिस गश्त पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए कहा कि रतनगढ का हृदय स्थल घंटाघर बिजी स्थान है तथा यहां पर गश्त का पॉइंट भी है, ऐसे में उक्त स्थान पर चोरी होना पुलिस प्रशासन की उदासीनता को दर्शाता है। वहीं इस चोरी की घटना को लेकर काफी संख्या में व्यापारीगण पुलिस थाने पहुंचकर थाना प्रभारी दिलीप सिंह से मुलाकात कर चोरी वारदात की जांच करने, चोरों पकड़ने, गश्त बढ़ाने सहित कई मुद्दों पर चर्चा करते हुए विशेष रूप से ध्यान देने की बात कही। उल्लेखनीय है कि कुछ महीनों पूर्व इसी स्थान से कुछ दूरी पर मौबाईल शोप चोरी घटना हुई थी, वो भी आज तक प्रश्नचिन्ह पुलिस कार्यशैली पर है।

उदयपुरवाटी में चिन्हित वाटर पॉइंटों पर वन्यजीव गणना शुरू

उदयपुरवाटी (निसं)। ज्येष्ठ माह की शुक्ल पूर्णिमा 11 जून बुधवार को सुबह 8 बजे चिन्हित वाटर हाल पर वन्यजीव गणना शुरू हुई। वन्यजीव गणना रेंज क्षेत्र के 16 वाटर हाल पॉइंट पर 33 कार्मिको द्वारा की जा रही है। वन विभाग इंद्रपुरा में रेंजर धर्मवीर सिंह मील ने बताया कि कोट बांध, शीतला जोहड बागोरा,कदम कुंड छापोली, मनसा माता पुराना खोह बालाजी मंदिर, वाघोली चौकी, काना वाली जोहडी पौंख, किरावंडा कुंड भोजगढ, भोजगढ पौधशाला, घाटी वाला कुआं गुढागौडजी, वन क्षेत्र कीरपुरा, काली बेरी खौह, मनसा माता वाटर हाल, बिहारी दास जोहडी वाटर होल खौह, मंडावर खौह सडक पर खेली, सातिंडा धाम खैली मंडावरा, भेरुजी वाला नाला की खेली बागोरा सहित 16 वाटर पाइंटों पर वन्यजीवों की गणना की जा रही है। गणना की तैयारी कर ली गई है। वन्यजीवों की गणना करने के लिए 16 वाटर पाइंटों पर 33 कार्मिक लगाए गए हैं। रिजर्व पार्टी के रूप में दो कार्मिकों को मुख्यालय पर रखा गया है। रेंजर धर्मवीर सिंह मील ने वाटर हाल पाइंटों पर वन्यजीवों की गणना कार्य का अवलोकन किया। वन्यजीवों की गणना के लिए कई स्थानों पर ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं। ट्रैप कैमरो की सहायता से 24 घंटे वन्य जीवों पर निगरानी रखी जाएगी। गणना गुरुवार को सुबह 8 बजे तक चलेगी। कोट बांध पर वॉच टावर से भी वन्यजीवों की निगरानी रखकर गणना की जाएगी।

टीबी जांच का प्रशिक्षण दिया

रतनगढ़ (निसं)। टूरनॉट मशीनों पर टीबी रोग की जांच की बेहतर तथा त्रुटीयों सुधार के सिलसिले में एक दिवसीय आयोजित कार्यशाला में टूरनॉट मशीनों के जरिए टीबी रोग की जांच करने वाले लैब टेक्निशियन व लैब सहायको को प्रशिक्षण दिया गया ताकि इससे जांच में सुधार हो सकें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शर्मा ने टीबी मरीजों की बलगम की जांच माईक्रोस्कॉपी के बजाय सीबीनॉट व टूर्नाट मशीनों से करने के निर्देश दिए। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. वेद प्रकाश ने बताया की प्रशिक्षण का उद्देश्य तय समय में इन्टेंसीफाईड टीबी मुक्त भारत अभियान का चलाया जायेगा, जिसमें जिले में संभावित टीबी रोगियों की जांच की जायेगी। साथ ही टूरनॉट मशीन जांच में आ रही त्रुटियो में सुधार करने के बारे में समझाना था। मोलबिया कम्पनी के इंजीनियर आशिष ने जांच में आ रही समस्याओं के कारण व सुधार के सिलसिले में विस्तार से बताया। साथ ही मशीन पर जांच करने का डेमोस्ट्रशन भी किया। मशीनों की नियमित रूप से केलिब्रेशन क्लीनिंग के बारे में भी जानकारी दी। डीआरटीबी कॉडिनेटर दारासिंह ने सैंपल कलेक्शन, सैंपल प्रोसिजर लेबलिंग व मासिक रिपोर्टिंग आदि के बारे में भी बताया।

सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया

रतनगढ़ (निसं)। पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि ने शहर की मुख्य गैनाणी की साफ-सफाई एवम नालों की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर आगामी मानसून में होने वाली बरसाती पानी की निकासी व्यवस्था को दुरस्त करने के अधिकारीयों को निर्देश दिए। महर्षि ने कहा कि गैनाणी एवम नालो की साफ़ सफाई की व्यवस्था निरन्तर चल रही है आगामी तीन-चार दिनों में पूरी होने की संभावना है। बरसाती पानी की ड्रेनेज के लिए नए हाई पॉवर की मोटर के पंप सेट तैयार हो गये है, जिससे बरसाती पानी की निकासी का कार्य और अधिक गतिशील होगा। महर्षि ने पानी निकासी के ड्रेनेज पंप सेट को शुरू करवाकर पानी निकासी व्यस्था की प्रगति का निरीक्षण भी किया। इस दौरान निरीक्षण में महर्षि के साथ आर यू आइ डी पी के अधिकारी, पालिका के अधिशाषी अधिकारी सहदेव चारण सहित अन्य अधिकारी, भाजपा नेता अर्जुन सिंह फ्रांसा, दीनदयाल पारीक, रामगोपाल चौधरी, ओम महर्षि, प्रवीण शर्मा आदि उपस्थित थे।

आज दो घंटे विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी

चूरू (निसं)। अग्रसेन नगर ओवर ब्रिज निर्माण के चलते 33 केवी विद्युत लाइन शिफ्टिंग के कार्य को लेकर गुरूवार 12 जून 2025 को 33 केवी चूरू फीडर बंद रखा जाएगा, जिसके अंतर्गत प्रात: 6 बजे से 8 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रखी गई। जोधपुर डिस्कॉम की कनिष्ठ अभियंता शहर द्वितीय पूनम प्रजापत ने बताया कि अग्रसेन नगर, शांति कॉलोनी, मयूर विहार कॉलोनी, डीटीओ ऑफिस, कलेक्ट्रैट सर्किल, भरतिया हॉस्पिटल, नई सडक, नया बास, उस्मानाबाद कॉलोनी, सैनिक बस्ती, वन विहार कॉलोनी, रेलवे कॉलोनी, स्टेशन रोड, पूनिया कॉलोनी, गांधी कॉलोनी, ओम कॉलोनी, इन्दिरा कॉलोनी, धर्म स्तूप, मालजी का कमरा, आलोक सिनेमा के पीछे, व्यापारियों का मोहल्ला, पुराना सडक, जयपुर रोड, रामसरा रोड व इन क्षेत्रों से जुडे समस्त विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति दो घंटे बंद रहेगी।

डोडा-पोस्त की तस्करी में एक गिरफ्तार

सीकर (निसं)। सीकर की लोसल थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने एंबुलेंस की आड़ में डोडा-पोस्त की तस्करी करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 438 ग्राम डोडा-पोस्त बरामद किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।थानाधिकारी सरदारमल के अनुसार-10 जून को पुलिस टीम द्वारा डीडवाना रोड पर नाकाबंदी की गई। इसी दौरान एक इनोवा गाड़ी आई। जिस पर एम्बुलेंस की लाल नीली लाइट जल रही थी। इसे संदिग्ध लगने पर पुलिस ने रोका। जब उसकी तलाशी ली गई तो गाडी के पीछे डिग्गी में और ड्राइवर सीट के नीचे डोडा पोस्त चूरा मिला। जिसका कुल वजन 438 ग्राम था।इसके बाद मामले में आरोपी बलजिंद्र सिंह जट(38) पुत्र सुखमंदर सिंह निवासी बठिंडा, पंजाब को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है।

नोडल अधिकारी नियुक्त

सीकर (निसं)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने आदेश जारी कर निजी व राजकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत युवाओं का मतदाता सूची में पंजीकरण एवं मतदान प्रक्रिया के बारे में जागरूक करने के लिए मतदाता जागरूकता क्लबों का सक्रिय संचालन एवं मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किये जाने के लिए इन क्लबों के प्रभावी संचालन एवं मतदाता जागरूकता गतिविधियों के आयोजन के लिए जिला स्तरीय नोडल अधिकारी डॉ. सुनिता पाण्डे प्राचार्य श्री राजकीय वाणिज्य महाविद्यालय, सीकर को नियुक्त कर निर्देश दिये है कि मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को समयबद्ध पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

राहगीरों को शरबत पिलाया

चूरू (निसं)। शहर के ओम कॉलोनी निवासी राकेश शर्मा ने अपनी बेटी हिना शर्मा की पुण्यतिथि पर हर वर्ष की भांति बुधवार को भी भीषण गर्मी को देखते हुए कलेक्ट्रेट सर्किल के पास राहगीरों को ठंडा शरबत पिलाया गया। हर वर्ष यह कार्यक्रम धर्म स्तूप के पास किया जाता है, लेकिन इस बार आवागमन कम होने के कारण यह कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सर्किल के पास किया गया। यह कार्यक्रम लगातार पांचवीं बार किया गया है।

सोशल मीडिया पर हथियारों की तस्वीरें डालकर दहशत फैलाने पर हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं) सिंघाना थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर हथियारों की तस्वीरें डालकर लोगों में भय फैलाने वाले हिस्ट्रीशीटर पर पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर राकेश उर्फ हनी को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी ने इंस्टाग्राम पर हथियारों की तस्वीरें अपलोड कर आमजन में दहशत फैलाने की कोशिश की थी। थानाधिकारी रामसिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली की थाना क्षेत्र के एक बदमाश द्वारा सोशल मीडिया पर हथियारों की फोटो डालकर दहशत फैलाने का काम किया जा रहा है। जिस पर कार्यवाहक एसपी देवेन्द्र सिंह राजावत के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी को राजपुरा में दबिश देकर राकेश कुमार उर्फ हनी पुत्र राजपाल जाट को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से हथियारों के लाने, मकसद और नेटवर्क के संबंध में पूछताछ कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से खुद की छवि आपराधिक

सिंघाना थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर हथियारों की तस्वीरें डालकर लोगों में भय फैलाने वाले हिस्ट्रीशीटर को पुलिस ने गिरफ्त में लिया।

रूप में प्रस्तुत कर युवाओं को गुमराह कर रहा था। थानाधिकारी ने बताया कि इस मामले में आगे की जांच कर रही है और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की तैयारी की जा रही है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आमजन में सुरक्षा और विश्वास का माहौल बनाने की कोशिश की है। आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में दस मामले दर्ज हैं। इस दौरान पुलिस टीम में थानाधिकारी रामसिंह, एचसीकुलदीप, कांस्टेबल मोतीलाल आदि शामिल थे।

धोखाधड़ी कर दो लाख 49 हजार रुपए हड़पने का आरोप, मामला दर्ज

- सादुलपुर में विदेश भेजने के नाम पर रूपये हड़पे
- पुलिस ने आरोपी पति और पत्नी के खिलाफ मामला दर्ज

सादुलपुर, (निसं)। विदेश भेजने के नाम पर दो युवकों से धोखाधड़ी कर 2 लाख 49 हजार रुपए की राशि हडपने के आरोप में पुलिस ने आरोपी पति पत्नी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि मोहम्मद कयूम उम्र 26 साल चौहान निवासी वार्ड नंबर 21 ने न्यायालय से प्राप्त इस्तागासे पर मामला दर्ज करवाकर बताया कि वह कमाने खाने के लिए विदेश में किसी अच्छे काम की तलाश में था। इसी दौरान 1 मार्च 2024 को आरोपी मोहम्मद अशरफ निवासी रामगढ शेखावाटी एक शादी में मिला और उसने बताया कि वह लोगों को विदेश भेज कर अच्छा काम दिलाने का कार्य करता है। तथा उसे यूरोपियन कंट्री भिजवाने के लिए उसे तथा उसके रिश्तेदार गुलफाम बेग निवासी वार्ड नंबर 20 सादुलपुर लक्जमबर्ग भिजवा दूंगा। लेकिन विदेश भेजने का एक व्यक्ति का खर्चा पांच लाख रुपए होना बताया। जिसके बाद अगले दिन आरोपी उनके घर आया जिसके साथ उसकी पत्नी फातिमा भी थी। तथा विदेश जाने की सहमति देकर उसने तथा गुलफाम बेग ने अपने अपने हिस्से के पचास, पचास हजार कुल एक लाख रुपए आरोपी ओर उसकी पत्नी को नगद दे दिए। पैसा देने के बाद आरोपी ने कहा कि यूरोपियन कंट्री में जाना आसान नहीं होता। लेकिन आपको विदेश भिजवा देंगे। उसके बाद आरोपियों ने मार्च 2024 में रामगढ बुलाकर कुल 2 लाख 49 हजार रुपए ले लिया। कुछ समय के अंतराल में दोनों से बातचीत व परिवादी के जरिए फोन पर होती रही। ओर ऑफिस वर्क पूरा कहकर इंतजार करवाते रहे। दिनांक 5 अप्रैल 2025 को आरोपी का राजगढ में आने का पता चला तो वह ओर गुलफाम शेख आरोपी से मिला तथा रुपए का तकाजा किया तो उन्होंने पैसे देने से इनकार कर दिया। विदेश भेजने की बात कहकर धोखाधड़ी कर पैसे हड़प लिए।

युवक पर हमला कर कार, मोबाइल और नगदी छीनी, आरोपी फरार

- पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

सादुलपुर, (ओमप्रकाश)। तारानगर सादुलपुर सडक पर गांव न्यांगली में स्थित तनोट माता मंदिर के नजदीक कार में सवार चार युवकों ने एक कार चालक के साथ लाठी डंडों चाकू से हमला कर मारपीट की तथा नगद राशि मोबाइल और कार छीनकर फरार हो गए।

कार में सवार बदमाशों कार के आगे अपनी कार को लगाकर रास्ता रोककर घटना को दिया। ओर गाडी छीनकर फरार हों गए। थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया नरेश कुमार उम्र 43 वर्ष निवासी गगोर ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि ०9 जून 2०25 की रात्रि को 12.3० बजे लगभग वह अपनी कार को लेकर तारानगर से अपने घर आ रहा था। जब वह रोही न्यांगली में स्थित तनोट माता मंदिर के पास पहुंचा तो पीछे से एक सफेद रंग की कार आई और उसकी कार के आगे अपनी कार लगाकर उसका रास्ता रोक लिया।

दर्ज मामले में बताया कि कार में सवार चार लोग उतरे। और उसे गाडी से नीचे उतारकर उसकी गाडी की चाबी निकाल ली। तथा उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। उसकी जेब से मोबाइल फोन और 7-०8 हजार रुपए निकाल लिए। विरोध किया तो उसके साथ लाठी डंडों ओर चाकू से मारपीट की जिसके कारण उसके पेट, कमर और हाथों पर काफी जगह गंभीर चोट लगी।

पीडित ने दर्ज मामले में बताया कि लाठी डंडों ओर चाकू से हमला कर उसके पैसे और मोबाईल तथा कार छीन कर भाग गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अनियंत्रित होकर ट्रोला पलटा, हादसा टला

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर हिसार एनएच 52 सड़क मार्ग पर गुलपूरा रोड पेट्रोल पम्प के पास अनियंत्रित होकर एक चावल के कट्टो से भरा ट्रोला पलटा खा गया। मगर गनीमत रही चालक व परिचालक को चोट नही लगी। लेकिन चावलों से भरे कट्टे बिखरने व ट्रोला क्षतिग्रस्त होने से काफी नुकसान हो गया। बुधवार सुबह 10 बजे दी जानकारी में प्रकरण अनुसार एक ट्रोला आरजे 36 जीए 5166 का चालक कालू सिंह पुत्र गोरधन सिंह राजपूत निवासी गाढावास मोहल्ला डीडवाना जो कि 22 चक्का ट्रोला में हिसार की ओर से चावल भरकर एनएच 52 हिसार सादुलपुर होते हुए चूरू की ओर जा रहा था। उसी दौरान संभवत: किसी जानवर को बचाने के चक्कर में 22 चक्का ट्रोला अनियंत्रित होकर पलटी खा गया। ट्रोला में भरे चावल के कट्टे बिखर गए और क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर राजगढ थाने से ओमप्रकाश हेड कॉन्स्टेबल मौके पर पहुंचे तथा घटना का मौका निरीक्षण किया।

चूरू में जिला प्रशासन और आयुर्वेद विभाग की ओर से 21 जून को होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर जिले में अनेक स्थानों पर योग का पूर्व अभ्यास करवाया जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर बुधवार को आयुर्वेद विभाग बीकानेर संभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. घनश्याम रामावत ने योग के पूर्वाभ्यास का निरीक्षण किया। इस दौरान आपणी पाठशाला योग शिविर में अतिरिक्त निदेशक डॉ. घनश्याम रामावत ने स्वयं भी योग किया। सहायक निदेशक डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि रामावत ने योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र चूरू, आपणी पाठशाला व अग्रसेन नगर पार्क में योग शिविर का निरीक्षण किया और आमजन से अधिक से अधिक संख्या में योग दिवस में शामिल होने का आह्वान किया। इस दौरान उप निदेशक डॉ. सत्यवीर सिंह, डॉ. रामकृष्ण शर्मा, डॉ. संतरा जाट, वरिष्ठ सहायक आशीष भाटी सहित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

पालिका ने वर्षों से बन्द पड़े नालों की सफाई का कार्य शुरू किया

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर में अम्बेडकर सर्किल से तारानगर रोड की ओर वर्षों पूर्व बने गन्दे पानी की निकासी के नाले की साफ-सफाई नहीं होने से अम्बेडकर सर्किल के आसपास का एरिया पानी से लबालब होने के कारण लोगों को भारी परेशानी को देखते हुए लोगों ने नाले की समुचित रूप से साफ-सफाई करवाने की मांग की है।

बुधवार सुबह 8 बजे दी जानकारी में सामाजिक कार्यकर्ता रजनीश सोनी व राजपाल आदि ने बताया कि वार्ड 01 के गन्दे पानी की निकासी के लिए बनाया गया नाला बन्द पडा है, जिसको लेकर आज नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों ने नाले की सफाई का कार्य शुरू किया गया है।

लोगों की मांग है कि इस बन्द पडे नाले की पूर्णत्या सफाई करवाई जावे ताकि अम्बेडकर सर्किल पर जो पानी निकासी की समस्या आ रही है, उससे लोगों को निजात मिल सके।

नगरपालिका के सहायक अधिकारी राकेश धायल ने बताया कि जो नाला वर्षो से बन्द पड़ा था, उसकी साफ-सफाई करवाने के लिए नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों

पालिका ने अम्बेडकर सर्किल के पास नालों की सफाई शुरू की।

को नाले की सफाई के कार्य में लगा दिया गया है, तीन चार रोज में नाले की पूर्ण सफाई करवादी जावेगी तथा अम्बेडकर सर्किल सादुलपुर पर गन्दे पानी के भराव की समस्या से निजात मिल जायेगी।

यज्ञ में आहुतियां दी

उदयपुरवाटी (निसं)। अखिल विश्व गायत्री परिवार शाखा उदयपुरवाटी के तत्वाधान में वार्ड नंबर 28 श्री कृष्ण गौशाला कॉलोनी में लोक कल्याण एवं विश्व शांति हेतु एक कुंडीय गायत्री महायज्ञ का कार्यक्रम हुआ। गायत्री परिवार के तहसील समन्वय बजरंग लाल सोनी ने बताया कि यज्ञ आचार्य का कार्य भार महावीर प्रसाद सैनी ने पूर्ण रूपेण निभाया।जिसमें रतनलाल सैनी का विशेष रूप से सहयोग रहा। महावीर प्रसाद सैनी ने बताया कि कलयुग में गायत्री माता कामधेनु कल्पवृक्ष हैं जो सब की भौतिक एवं आध्यात्मिक आवश्यकताओं की पूर्ति करती है। इसमें कोई संदेह नहीं। इस कार्यक्रम में सर्व समाज के लोगों ने भाग लेकर आहुतियां प्रदान की।

कार्यालय तहसीलदार (भू.अ.) सिद्धमुख
क्रमांक/भू.अ./वसियत/2025/979 दिनांक 02.06.2025

सार्वजनिक सूचना

हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि श्रीमती परमेश्वरी पत्नी स्व. श्री जगमाल सिंह जाति जाट सा. पहाड़सर ने अपनी स्वंय की खातेदारी भूमि 817/406, 819/392, 824/502 कुल किता 3 रकबा 3.0266 है. व खसरा नंबर 391, 458 कुल किता -02 कुल रकबा 0.2700 है, हिस्सानुसार की वसियत-पत्र दस्तावेज 10 रू. के शपथ-पत्र दिनांक 12.03.2013 को अनरजिस्टर्ड वसियत रामविलास पि. रामकिशन जाति जाट निवासी पहाड़सर के पक्ष में करवाई थी। मुताबिक मृत्यु प्रमाण - पत्र के उक्त वसियत कर्ता की मृत्यु दिनांक 09.10.2024 को हो चुकी है। प्रार्थी रामविलास पि. रामकिशन का मुताबिक वसियत के इन्तकाल दर्ज करवाने बाबत इस कार्यालय में परेकार है। इस बाबत किसी व्यक्ति को कोई उजर/एतराज हो तो वह अपना पक्ष मय सबूत के निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष कार्यालय समय में सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर पेश करें। बाद गु-जरने मियाद एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जा सकेगी। सार्वजनिक सूचना आज दिनांक 02.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय मुद्रा से जारी की गई।

तहसीलदार (भू.अ.) सिद्धमुख (चूरू)

राजस्थान सरकार

सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद, अजमेर सम्भाग

जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र, अजमेर RPSC के पास, जयपुर रोड, अजमेर-305001

क्रमांकःएफ.()जि.उ.के.अ./MSEFC/Meeting/Minutes/2025/487 दिनांक 22.05.2024

Sh. Deshraj Somra S/o Sh. Bhagwan Singh C/o Rjshree Construction Co., Min Market, MOI Sadda, Jhunjunu - 333516

अंतिम नोटिस

केस नं. RJ/32/S/AJR/00227

M/s S.G.G. Cement Product Pvt. Ltd., F/35A-37, Road No. 2, RIICO Ind. Area, Niwai, Distt. Tonk (Raj.) द्वारा आरसीसी पाईप की आपूर्ति हेतु विलंबित भुगतान राशि रु. 268780.00 तथा देय व्याज व GST राशि रु. 59129.00 सहित कुल राशि 859989.00 का भुगतान आप द्वारा आपूर्तिकर्ता ईकाई को नही किये जाने के कारण आपूर्तिकर्ता द्वारा MSMED Act-2006 की धारा 18 के अन्तर्गत सुविधा परिषद को रेफेरेस प्रस्तुत करने पर बैठक दिनांक 27.12.2023 में आप (क्रेता संस्था) को व आपूर्तिकर्ता संस्था को नोटिस दिनांक 08.12.2023 रजिस्टर्ड डाक से प्रेषित किया जाकर, वाद के सम्बन्ध में सुविधा परिषद के समक्ष उपस्थित होने हेतु लिखा गया/

उक्त वाद से सम्बंधित परिषद की समस्त बैठकों में आप (क्रेता पक्ष) अनुपस्थित रहे तथा ना ही आपने परिषद के पत्रों का प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया/ सुविधा परिषद की बैठक दिनांक 09.05.2025 में परिषद द्वारा सर्वसम्मति से क्रेता के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्र के माध्यम से आपूर्तिकर्ता के व्यय पर क्रेता के लिए सुनवाई के अंतिम अवसर की लोक सूचना प्रकाशित करवाने का निर्णय लिया गया/

अतः जरिये अंतिम नोटिस आपको सूचित किया जाता है की आपूर्तिकर्ता ईकाई को विलंबित बकाया भुगतान न किये जाने के सम्बन्ध में अपना प्रत्युत्तर 15 दिवस में प्रस्तुत करें अन्यथा MSMED Act-2006 की धारा 16 के प्रावधानो के अनुसार कार्यवाही प्रारम्भ की जावेगी।

(डी.के. शर्मा)
अध्यक्ष, सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद, अजमेर संभाग

सिंघाना पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर सहित 4 को गिरफ्तार किया

खेतड़ी, (निसं)। सिंघाना पुलिस ने देर शाम को मोई के शराब ठेके के सामने उत्पात मचाने पर हिस्ट्रीशीटर सहित चार जनों को गिरफ्तार करने की कार्रवाई की है।

इस दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कैंपर गाड़ी भी जब्त की है। थानाधिकारी रामसिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि हिस्ट्रीशीटर अपने साथियों के साथ कैंपर गाड़ी में सवार होकर मोई गांव के शराब ठेके पर पंहुचा तथा उत्पात मचा रहे है। इस दौरान डीएसपी नोपाराम भाकर के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन कर बदमाशों को गिरफ्तार करने की कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने मौके पर देकर थाने के हिस्ट्रीशीटर भैंसावता खुर्द निवासी दिनेश कुमार पुत्र ओकारमल, भैसावता कलां निवासी जगदीश उर्फ नारु पुत्र कल्याण सिंह, सुनिल कुमार पुत्र ईश्वर सिंह, भैसावता खुर्द निवासी अमित कुमार पुत्र ईशवर सिंह को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पुलिस

मोई के शराब ठेके के सामने उत्पात मचाने पर हिस्ट्रीशीटर सहित चार जनों को गिरफ्तार करने की कार्रवाई की।

ने आरोपियों के कब्जे से कैंपर गाडी भी जब्त की है। थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी दिनेश के खिलाफ विभिन्न थानों में 19, जगदीश के खिलाफ तीन व अमित के खिलाफ दो मामले दर्ज हैं। आरोपियों के बारे में गहनता से जानकारी जुटाई जा रही है। इस दौरान पुलिस टीम में थानाधिकारी रामसिंह, गाडाखेडा चौकी प्रभारी एएसआई शेर सिंह फोगाट, एचसी कुलदीप, दुर्गा प्रसाद, कांस्टेबल मोतीलाल, अजय कुमार, सुनील, धर्मवीर आदि शामिल थे।

कार्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, राजगढ़ (चूरू)

क्रमांक :- सीबीईओ/समसा/लेखा/2025-26/1184 दिनांक :- 10.06.2025

-::खुली निविदा सूचना::-

इस कार्यालय हेतु निविदा प्रपत्र में अंकित सामग्री/सेवा के हेतु पंजीकृत/अधिकत फर्मों से ऑफलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा के साथ निविदा शुल्क एवं अमानत राशि पृथक-पृथक संलग्न करनी होगी। निविदा से संबंधित अन्य शर्तों यथा निविदा फार्म आदि sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय समय में कार्यालय में देखी जा सकती है।

क्र. सं.	नाम व्यवसाय	अनुमानित लागत (लाखों में)	अमानत राशि	निविदा शुल्क	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की प्रारंभ दिनांक	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम दिनांक	निविदा प्रपत्र जमा करवाने की अंतिम दिनांक	निविदा खोलने की दिनांक
1	वाहन टैक्सी परमिट (एक वाहन)	4.10	8200 प्रति वाहन	500	11.06.2025	17.06.2025	17.06.2025 03.00 PM	17.06.2025 4.00 PM

निविदा शुल्क, राशि डिमांड ड्राफ्ट के रूप में (CBEO, SMSA, RAJGARH) के नाम से जमा होगी।
अन्य शर्तें निविदा प्रपत्र के अनुसार होगी।
UBN No.-RSE2526SSOB00193

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
समग्र शिक्षा राजगढ़ (चूरू)

संक्षिप्त

कार की टक्कर से युवती की मौत

श्रीगंगानगर। जिले के रायसिंहनगर-गजसिंहपुर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-911 पर चक 71 आरबी के पास एक तेज रफ्तार बेकाबू कार ने सड़क किनारे पैदल चल रही युवतियों को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गईं, जिनमें से 2 की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, ख्यालीवाला गांव से ग्रामीणों का एक जत्था रात करीब 1:30 बजे धार्मिक समागम में शामिल होने के लिए 12 पीएस स्थित शहीद बाबा दीप सिंह गुरुद्वारे जा रहा था। इसी जत्थे में 5 युवतियां भी शामिल थीं। बुधवार तड़के करीब 5:15 बजे जब जत्था चक 71 आरबी के पास पहुंचा, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने 5 में से 4 युवतियों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवती के सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। दो युवतियों की हालत गंभीर होने के चलते उन्हें श्रीगंगानगर रेफर किया गया है, जबकि एक युवती को मामूली चोटें आई हैं और उसका इलाज निजी अस्पताल में जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही गजसिंहपुर थाना प्रभारी सीर कौर और डीएसपी संजीव चौहान मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। कार ड्राइवर की पहचान की जा रही है, बताया जा रहा है कि वह 3 एफएफए से बुड्ढा जोहड़ डायलिसिस करवाने जा रहा था। इसी दौरान उसकी कार बेकाबू होकर हादसे का कारण बनी। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पंहुचे हेड कॉन्स्टेबल ईश्वर पुनीया ने जानकारी देते हुए बताया कि हादसे में गगनदीप कौर (22) पुत्री कुलवंत सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, वही राजप्रीत कौर पुत्री नक्षत्र सिंह व सुखवीर कौर पुत्री कर्मजीत सिंह, आकाशदीप कौर पुत्री कुलविंदर सिंह निवासी 6 इञ ख्यालीवाला का श्रीगंगानगर में इलाज जारी है। पुलिस ने मृतक युवती के शव को रायसिंहनगर के सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दो बदमाशों को नाकाबंदी में दबोचा

श्रीगंगानगर। जिले में मुकलावा थाना पुलिस ने अवैध नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 7 किलो 905 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त सहित बाइक के साथ 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए दोनों तस्कर काफी लंबे समय से तस्करी में संलिप्त बताए जा रहे हैं। मुकलावा थाना अधिकारी संपत धायल ने बताया कि गस्त के दौरान पुलिस टीम के साथ संयुक्त रूप से नाकाबंदी कर रखी थी। इसी दौरान एक बाइक आती हुई दिखाई दी जिस पर पुलिस को देखकर बाइक चालक ने वापस मोड़ कर बाइक को भगाने का प्रयास किया। जिस पर घेराबंदी कर बाइक को रोका तो बाइक सवार युवकों के कब्जे में एक प्लास्टिक बैग बरामद हुआ। जिस पर बैग को खोलकर देखा तो बैग के अंदर डोडा-पोस्त पाया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों से पूछताछ की तो आरोपियों ने अपना नाम आकाशदीप (20) पुत्र गुरमीत सिंह निवासी 45 एनपी रायसिंहनगर बताया और दूसरे आरोपी ने अपना नाम वीरेंद्र सिंह (52) पुत्र संधुरा सिंह निवासी अनूपगढ़ बताया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है।

डीडवाना : नशे के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

हेरोइन की तस्करी करने वाले तीन तस्कर गिरफ्तार

डीडवाना। पुलिस द्वारा नशाखोरी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में डीडवाना पुलिस ने हेरोइन की तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को पकडा है। साथ ही उनके कब्जे से लाखों रुपए की हेरोइन और एक कार भी जब्त की गई है।

डीडवाना जिले के मौलासर थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए एक अल्टो कार में हेरोइन की तस्करी करने वाले दो आरोपियों आदिल और अरबाज को गिरफ्तार किया था। साथ ही उनके कब्जे से 8.45 ग्राम हेरोइन भी बरामद की थी। इस मामले की जांच कर रहे डीडवाना थाना अधिकारी राजेंद्र सिंह कमांडो ने दोनों आरोपियों से जब कडाई से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि शेरानी आबाद निवासी मोहम्मद इलियास हेरोइन का अवैध कारोबार करता है।

इस पर राजेंद्र सिंह ने खूनखूना थानाधिकारी देवीलाल बिश्नोई को तुरंत इलियास के बारे में जानकारी दी, जिस पर खूनखूना पुलिस ने तुरन्त कार्रवाई करते हुए आरोपी मोहम्मद इलियास को छोटी खाटू गांव से धर दबोचा। इस दौरान उसके कब्जे से 55.32 ग्राम हेरोइन भी जप्त की गई । के मुताबिक बरामद की गई ड्रग्स की कीमत लाखों रुपए में है और पकडे गए तीनों आरोपी अवैध रूप से हेरोइन की तस्करी का काम करते थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यह तीनों आरोपी किसी गिरोह से जुडे थे। तीनों आरोपी किन लोगों से हेरोइन खरीदते थे और किन लोगों को बेचते थे पुलिस ने इससे पूर्व भी नशे के विरुद्ध बडी कार्रवाई को अंजाम दिया था। जिसमें करीब 10 लाख रुपए की नशीली दवाओं की बड़ी खेप बरामद कर दो तस्करों को पकडा था। यह नशीली दवाएं सरकार द्वारा प्रतिबंधित है और इन दवाओं को पंजाब ले जाया जा रहा था, जहां इन्हें ड्रग्स के विकल्प के रूप में युवाओं को बेचा जाना था।

डीडवाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान हेरोइन की तस्करी करने के तीन आरोपियों को पकडा।

- **कार्रवाई में तीन तस्कर आदिल, अरबाज व मोहम्मद इलियास गिरफ्तार**
- **आरोपितों से कुल 63.77 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद**
- **बाजार में लाखों रुपए है बरामद हेरोइन की कीमत आरोपितों की अल्टो कार को पुलिस ने किया जब्त**

'जल संरक्षण जन अभियान के कार्यों को गति दें'

बूंदी। वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान, जल शक्ति अभियान एवं मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान की प्रगति की समीक्षा बैठक बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर अक्षय गोदारा की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में जिला कलक्टर ने वीडियो कॉफेंस के माध्यम से उपखंड अधिकारियों एवं बीडीओ को निर्देश दिए कि वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत हो रहें सभी कार्यों को नियमित रूप से पोर्टल पर अपलोड करें। इसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं की जावें। साथ ही अभियान को सफल बनाने के लिए संबंधित विभागों को दिए गए कार्यों को पूर्ण करावें।

जन अभियान के तहत प्रगति कम अर्जित हुई है, वहां विशेष प्रयास कर प्रगति बढ़ाई जावें। बैठक में जिला कलक्टर ने जल शक्ति अभियान एवं मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा, उपखंड अधिकारी बूंदी एचडी सिंह, जयपुर विद्युत वितरण निगम लि. के अधीक्षण अभियंता के.के. शुक्ला, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता सुनील कुमार शर्मा एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहें।

सार-समाचार

खेजड़ी की अंधाधुंध कटाई का मामला एक बार फिर सुर्खियों में

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान के पश्चिमी जिलों में राज्य वृक्ष खेजड़ी की अंधाधुंध कटाई एक बार फिर सुर्खियों में है। जोधपुर जिले के मथानिया क्षेत्र के जुड़ खारी गांव में 300 बीघा भूमि पर प्रस्तावित सोलर प्लांट के लिए हजारों खेजड़ी और रोहिड़ा वृक्षों की बेरहमी से कटाई की जा रही है। इस बीच, एक वायरल ऑडियो ने पूरे मामले को और तूल दे दिया है, जिसमें ओसियां विधायक भेराराम चौधरी का नाम सामने आया है। इस संबंध में विधायक सियोल ने कहा है कि कुछ विरोधी भ्रम फैला रहे हैं। उनका यहां कोई सोलर प्लांट नहीं है। ऑडियो में खेजड़ी कटाई को लेकर भवाद पटवारी और पर्यावरण प्रेमी रामनिवास विश्नोई के बीच बातचीत सामने आई है। इसमें पटवारी कहते हैं कि इसमें ओसियां के विधायक का इन्वॉल्वमेंट है," जिस पर रामनिवास ने दो टूक जवाब दिया - एमएलए हो या कोई और, हम पेड़ों से लिपटकर जान दे देंगे। 500 साल पुराना इतिहास दोहराएंगे।' इस ऑडियो के वायरल होने के बाद ओसियां विधायक भेराराम चौधरी का नाम पूरे क्षेत्र में चर्चा में है। रामनिवास ने जोधपुर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि मौके पर पटवारी और तहसीलदार भेजकर वृक्षों की मार्किंग कराई जाए और कंपनी को तुरंत कटाई से रोका जाए। ओसियां विधायक भैराराम सियोल का कहना है कि प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत सौर ऊर्जा संयंत्रों के प्लांट केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से कंपनियां और किसान स्वयं लगा रहे हैं। कंपोनेंट सी के तहत सरकारी टेंडर प्रक्रिया के द्वारा किसान अपने खेतों में भी सौर ऊर्जा प्लांट लगा रहे हैं। स्व-रोजगार और स्वावलंबन के अवसर मिल रहे हैं और किसानों की आमदनी में भी बढ़ोतरी हो रही है। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ रहे हैं, जिसके तहत ओसियां विधानसभा क्षेत्र में भी कंपनी और किसानों के द्वारा सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जा रहे हैं। इस दौरान स्थानीय जनों की ओर से कुछ जगहों पर शिकायत मिली है कि खेजड़ी के वृक्ष काटे जा रहे हैं। जिस पर स्थानीय प्रशासन को निर्देशित किया है। उन्हें मौके पर जाकर रिपोर्ट बनाकर तुरंत पाबंद करने की आवश्यक कार्रवाई के लिए हिदायत दी गई है, लेकिन कुछ विपक्षी जानबूझ कर इस मामले से जोड़ना चाहते हैं, लेकिन मेरे द्वारा क्षेत्र में अभी इस वक्त कहीं सोलर प्लांट नहीं लगाया जा रहा है। क्षेत्र में कई जगहों पर प्लांट लग रहे हैं, इसका मतलब यह थोड़ा ही है कि सब जगह मैं ही लगा रहा हूं, कुछ लोग गलत भ्रम व अफवाह फैला रहे हैं। खेजड़ी हमारा राज्य वृक्ष है, सभी को राज्य वृक्ष संरक्षण का दायित्व है, लेकिन कुछ विपक्षी लोगों के राजनैतिक मसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। किसी के बदनाम करने से कुछ नहीं होना है ओसियां की जनता सब वाकिफ हैं। सांच को कभी आंच नहीं आएगी। जो भी हकीकत होगी, सबके सामने आएगी।

औद्योगिक विकास को गति देने के लिए राज्य सरकार का महत्वपूर्ण फैसला

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए बूंदी जिले की तालेड़ा तहसील के कछालिया ग्राम में स्टोन पार्क की स्थापना के लिए 47.07 हैक्टेयर भूमि राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोग निगम लिमिटेड (रीको) को आवंटित करने की स्वीकृति प्रदान की है। बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के क्रम में राज्य सरकार का यह निर्णय प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति प्रदान करेगा। स्टोन पार्क की स्थापना से क्षेत्र में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा खनिज आधारित उद्योगों को एक संगठित मंच उपलब्ध होगा। राज्य सरकार द्वारा यह आवंटन राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 92 के अंतर्गत भूमि सेट-अपार्ट कर तथा राजस्थान भू-राजस्व (औद्योगिक क्षेत्र आवंटन) नियम 1959 के नियम 11ए के तहत किया गया है। स्टोन पार्क क्षेत्र में केवल गैर प्रदूषणकारी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की जाएगी तथा ये इकाइयां आबादी से कम से कम 1.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थापित होंगी। वन विभाग को भूमि आवंटन की स्वीकृति मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य में ईआरसीपी परियोजना (राम जल सेतु लिंक परियोजना) के अन्तर्गत वन भूमि के प्रत्यावर्तन के तहत बारां जिले की छबड़ा तहसील में 34.41 हैक्टेयर भूमि वन विभाग को आंवटित करने की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन रामगढ़ एवं महलपुर बैराज तथा नवनेरा-गलवा-बीसलपुर-ईसरदा लिंक परियोजना के अन्तर्गत बैराज निर्माण के कार्य से प्रभावित वन भूमि की क्षितपूर्ति के क्रम में वन विभाग को भूमि आंवटन के इस प्रस्ताव का अनुमोदन किया है।

विधायक सहित कांग्रेस कार्यकर्ता धरने पर बैठे

सूरतगढ़। उपखंड के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में बिजली पानी और सफाई व्यवस्था की बदहाली को लेकर कांग्रेस ने अपनी पूर्व घोषणा के अनुसार उपखंड कार्यालय पर धरना दिया। विधायक डूंगरराम गेदर के नेतृत्व में लगाए गए इस धरने में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। धरना स्थल पर विधायक गेदर ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में बिजली पानी और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग को लेकर उन्होंने 5 जून को एडीएम दीनानाथ बब्बल को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के बारे में अवगत करवाया था। साथ ही चेतावनी दी थी कि 7 दिन में तीनों महकमों के अधिकारी उन्हें धरातल पर क्या काम किया है इसके बारे में अवगत करवा दें, अन्यथा वे धरना लगाएंगे। मगर इस अवधि में भी प्रशासन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया, लिहाजा धरना लगाना पड़ा। अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि जलदाय विभाग की लापरवाही से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 15-15 दिन तक पेयजल की आपूर्ति नहीं हो रही है। 70 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र में रॉ वाटर की सप्लाई से पेट की बीमारियां बढ़ रही है। लोगों को पेयजल के लिए ओवरहेड टैंक पर चढ़ना पड़ रहा है। ऐसी ही बदहाल व्यवस्था बिजली की है, जहां शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बार-बार ट्रिपिंग और दिन-रात कट लग रहे हैं। कम क्षमता के ट्रांसफार्मर के कारण आगजनी की घटनाएं बढ़ रही है। विद्युत विभाग का कंट्रोल रूम शिकायतों पर ध्यान नहीं देता। भीषण गर्मी में लोगों को बिजली की समस्या से जूझना पड़ रहा है। विधायक ने ऐलान करते हुए कहा कि उनकी तीन प्रमुख मांगों पर जब तक प्रशासन ध्यान नहीं देगा और उन्हें धरनास्थल पर आकर अवगत नहीं करवाएगा वे यहीं डटे रहेंगे।

दुष्कर्मी के 50 बीघा में निर्माण को जेसीबी से ढहाया

बीकानेर। यहां 5 लोगों के हत्यारे और दो बच्चियों के दुष्कर्मी ने श्रीडूंगरगढ़ के सुरजनसर गांव में 100 बीघा गोचर भूमि पर कब्जा कर रखा था, प्रशासन ने 50 बीघा में किए निर्माण पर जेसीबी चलाकर ढहा दिया। बाकी की 50 बीघा बंजर भूमि सहित पूरी गोचर जमीन मुक्त करवाकर ग्राम पंचायत को देखरेख के लिए सौंप दी है।

पुलिस ने 8 और 9 साल की दो मौसेरी बहनों से दुष्कर्म करने वाले ढोंगी पुजारी श्रीभगवान सोनी को गिरफ्तार किया था जो वर्ष, 93 में चूरू के बीदासर में पांच लोगों की हत्या और 20 साल की सजा काट चुका है।

मौके पर नापतौल में सामने आया कि ढोंगी पुजारी ने करीब 100 बीघा जमीन पर कब्जा कर रखा था। इसमें से 50 बीघा में निर्माण कर अपना आश्रम चला रहा था और बाकी की 50 बीघा बंजर जमीन खाली छोड़ रखी थी। तहसीलदार कुलदीप मीना, सीओ श्रीडूंगरगढ़ निकेत पारीक, गिरदावर रामनिवास पांड्या, पटवारी सीताराम नाई, सरपंच ओमप्रकाश सारस्वत और ग्रामीणों के मौजूदगी में जेसीबी चलाकर पक्का मकान, मंदिर का ढांचा, ढाबा, झोपड़ियां, तारबंदी, बाड़ को ढहा दिया। जमीन अतिक्रमण मुक्त कराकर ग्राम पंचायत को देखरेख के लिए सौंप दी है। मौके से दो सिलेंडर, फ्रिज, कूलर और एक हैंड मेड कुल्हाड़ी नुमा हथियार जब्त कर लिया गया है। गौरतलब है कि दो बच्चियों से दुष्कर्म के आरोपी ढोंगी पुजारी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। पुलिस जल्दी ही अनुसंधान पूरा कर चालान पेश करने की तैयारी में है।

ढोंगी पुजारी ने 100 बीघा गोचर भूमि पर कब्जा तो कर ही रखा था, पानी-बिजली भी फ्री ले रहा था। पास में ही जलदाय विभाग का ट्यूबवेल है जहां से ग्रामीणों को पानी सप्लाई किया जाता है।

कोई भी पात्र खाद्य सुरक्षा से ना रहे वंचित : मंत्री सुमित गोदारा

बूंदी। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि खाद्य सुरक्षा योजना में पात्र वंचित को जोड़ने के लिए जिला सृतरीय अभियान चलाएं। इस अभियान में उपखंड अधिकारियों, विकास अधिकारियों के साथ ठाम स्तर पर ठाम विकास अधिकारियों और पटवारी की सहभागिता सुनिश्चित की जाएं। श्री गोदारा ने यह निर्देश बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में बूंदी जिले के खाद्य विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक के दौरान दिए। खाद्य मंत्री ने बूंदी में गिव अप अभियान और नए लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा से जोड़ने की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में 35 हजार लोगों ने स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा से हटवाया है। विभाग द्वारा अपात्र लोगों को स्वेच्छा से एनएफएसए से अपना नाम हटवाने के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। परिणामस्वरूप अपात्र लाभार्थी स्वयं कार्यालय आकर और स्थानीय उचित मूल्य दुकानदार के माध्यम से खाद्य सुरक्षा का लाभ स्वेच्छा से छोडने के लिए आवेदन कर रहे हैं।

इसी क्रम में विभाग ने स्वेच्छा से नाम छोडने वाले अपात्र लाभार्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की भी सुविधा उपलब्ध करवाई है। उन्होंने कहा कि जिले में 26 जनवरी 2025 को खाद्य सुरक्षा का ऑनलाइन पोर्टल दोबारा शुरू होने के बाद बूंदी जिले में 61500 लोगों को एनएफएसए से जोडा जा चुका है। पात्रों को खाद्य सुरक्षा से जोडने का प्रयास लगातार जिला प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने गिव अप अभियान के तहत सभी जनप्रतिनिधियों की आव्हान किया की वे अपात्र लोगों को खाद्य सुरक्षा का लाभ छोडने के लिए प्रेरित करें।

कैलादेवी अभयारण्य में बाघिन ने दो शावकों को जन्म दिया

करौली (निसं.)। करौली जिले के कैलादेवी वन्यजीव अभयारण्य में बाघिन टी-135 ने दो शावकों को जन्म दिया है। सपोटरा वन क्षेत्र के नैनियाकी रेंज में वन विभाग के कैमरा ट्रैप में बाघिन को दोनों शावकों के साथ देखा गया है।

कैलादेवी टाइगर अभयारण्य के उपवन संरक्षक पीयूष शर्मा ने बताया कि बाघिन और शावकों की सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए हैं। क्षेत्र में अतिरिक्त कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं। गश्ती दलों की संख्या भी बढ़ाई गई है। वन विभाग लगातार इनकी गतिविधियों पर नजर रख रहा है।

उन्होंने बताया कि इसी वर्ष गत फरवरी माह में उपखंड मंडरायल वन क्षेत्र में बाघिन टी-2303 ने भी दो शावकों को जन्म दिया था। कैलादेवी अभयारण्य रणथंभौर टाइगर रिजर्व का द्वितीय क्षेत्र है। यहां बाघों की नियमित आवाजाही होती रहती है। यह चैथा मौका है जब इस अभयारण्य में किसी बाघिन ने शावकों को जन्म दिया है।

इसके अलावा सवाईमाधौपुर रणथंभौर टाइगर रिजर्व से एक महत्वपूर्ण कदम के तहत बाघिन टी-84 एरोहेड के मेल शावक को कैलादेवी बाघ अभयारण्य में स्थानांतरित किया गया है। देर रात को की गई इस शिफ्टिंग में शावक को एक वशेष एंक्लोजर में रखा गया है।

उपवन संरक्षक पीयूष शर्मा ने बताया कि शावक टी-84 के तीन शावकों में से एक है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने पहले ही इन शावकों के स्थानांतरण की मंजूरी दे दी थी।

शेष दो शावकों को भी जल्द ही अन्य सुरक्षित स्थानों पर भेजा जाएगा। कैलादेवी वन जीव अभ्यारण क्षेत्र में शावक की सुरक्षा के लिए एक अस्थायी चैकी बनाई गई है।

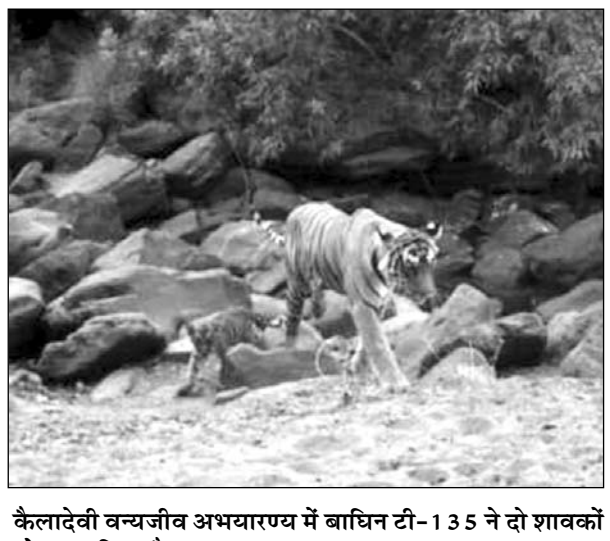

कैलादेवी वन्यजीव अभयारण्य में बाघिन टी-135 ने दो शावकों को जन्म दिया है ।

45 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं उतर रहा तापमान

बीकानेर। यहां नौतपा भले ही ज्यादा गर्मी वाला नहीं रहा, लेकिन अब गर्मी ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। पिछले दो दिन से तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं उतर रहा है। ऐसे में दोपहर में लोग घरों से बाहर नहीं निकल रहे। बाजारों में अब दिन के बजाय शाम को ज्यादा भीड़ रहने लगी है। आने वाले कुछ दिन तक गर्मी का ये ही आलम रहने वाला है। मौसम विभाग ने 19 जून तक के लिए अलर्ट जारी किया हुआ है। बीकानेर में अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि न्यूनतम पारा 31.4 डिग्री सेल्सियस रहा। इससे पहले सोमवार को भी पारा करीब 46 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। मौसम विभाग ने पिछले सप्ताह जारी अपने पूर्वानुमान में 12 जून तक बीकानेर में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा बताया था। ऐसा ही हुआ। अब मौसम विभाग 19 जून तक तापमान 45 डिग्री से अधिक ही रहने की आशंका है।

बीकानेर नगर निगम ने आम लोगों को गर्मी से राहत देने के कुछ उपाय किए है। पिछले दो दिन से बीकानेर में फायर ब्रिगेड की गाड़ियों से सड़कों पर पानी का छिड़काव किया जा रहा है।

तम्बाकू उत्पाद बेचने वालों के खिलाफ सख्ती, 51 चालान काटे

टीम ने 2 हजार 60 रुपये की जुर्माना राशि वसूली

भीलवाड़ा। विश्व तंबाकू निषेध पखवाडा (31 मई से 14 जून 2025) के तहत जिलेभर में नशा मुक्ति और जनजागरूकता गतिविधियों का सिलसिला जारी है। आमजन को तंबाकू सेवन से होने वाले घातक दुष्परिणामों से आगाह कर नशा मुक्त जीवन की प्रेरणा देने हेतु विकित्सा विभाग द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा है।

इसी कड़ी में मंगलवार को जिला स्तर पर बडी कार्यवाही करते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक यादव व गठित टीम द्वारा कोटपा एक्ट 2003 की धारा 4 व 6 (ए) के तहत जिले के विभिन्न स्थानों पर तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान माण्डल चौराहे पर सागर पान, रामकृष्ण मिष्ठान, श्री कृष्ण किराना, जय अम्बे, न्यू जोधपुर मिष्ठान भण्डार, हिन्ज कोल्ड ड्रिंक, गंगापुर चौराहा, माया पान, लैंडमार्क के सामने तथा भोले शकर टी, माण्डल चौराहे से कुल 51 चालान काटे गए और 2 हजार 60 रुपये की जुर्माना राशि वसूली की गयी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सी.पी. गोस्वामी ने बताया कि पखवाडे के दौरान जिले के समस्त चिकित्सा संस्थानों, शैक्षिणक सस्थानों, सार्वजनिक स्थलों और बाजार क्षेत्रों में तंबाकू निषेध के संदेश प्रसारित किए जा रहे है। स्वास्थ्य टीमो द्वारा लगातार लोगो को जागरूक किया जा रहा है कि तंबाकू और इससे जुडे उत्पादों का सेवन किस प्रकार जानलेवा बीमारियों को न्योता देता है।

डिप्टी सीएमएचओ डॉ प्रवीण झरवाल ने बताया कि यह अभियान केवल कार्रवाई तक सीमित नहीं है. बल्कि समाज में जनभागीदारी के माध्यम से युवाओं को नशा मुक्त जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोटपा एक्ट के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों पर भी सख्ती से चालान की कार्रवाई की जा रही है. ताकि आमजन को एक स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण प्रदान किया जा सके।

तम्बाकू उत्पाद बेचने वालों के खिलाफ सख्ती कर चिकित्सा विभाग ने चालान काटे।

ड्रग्स तस्करी में पंजाब के दो और आरोपी पकड़े

अनूपगढ़। पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी के मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट पर पंजाब के सोनू सिंह और बलजीत सिंह को हिरासत में लिया है।

यह मामला 9 अगस्त 2024 का है। उस दिन बीएसएफ और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में 29 और 30 एपीडी की रोही में 3 किलो हेरोइन और एक ड्रोन बरामद किया था। इस मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था।

एसएचओ ईश्वर जांगिड़ के अनुसार, बरामदगी के समय कोई आरोपी नहीं पकड़ा गया था। पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान के जरिए आरोपियों की पहचान की। सोनू सिंह उर्फ गौरा फिरोजपुर का रहने वाला है। वह रायसिंहनगर जेल में बंद था। बलजीत सिंह उर्फ मनी लुधियाना का रहने वाला है और करणपुर जेल में था। इससे पहले पुलिस फिरोजपुर के मंगलजीत सिंह को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस दोनों नए आरोपियों से पूछताछ कर रही है। जांच में और भी कई तथ्य सामने आ सकते हैं।

उपमुख्यमंत्री बैरवा ने केंद्र सरकार के 11 साल के कामकाज गिनाए

जोधपुर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को जोधपुर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन परिसर में जिला स्तरीय प्रोफेशनल समिट (संकल्प से सिद्धि) समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा शामिल हुए।

डॉ.बैरवा ने केंद्र की मोदी सरकार के 11 साल के कामकाज और पार्टी की रीति-नीति से अवगत कराया। उन्होंने कहा- केंद्र की मोदी सरकार ने पाकिस्तान को दिखा दिया है कि यह नया भारत शांति की बातें नहीं बल्कि घर में घुसकर आतंक का सफाया करता है। पीएम मोदी ने विश्व को स्पष्ट कर दिया है कि आतंक और व्यापार, खून और पानी साथ-साथ नहीं चल सकते हैं। मोदी के नेतृत्व में रक्षा निर्यात 34 गुना बढ़ा है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने संकट के समय विदेश से भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकाला है।

उन्होंने कहा- 2014 में मोदी ने जब देश की बागडोर संभाली थी तब देश जातिवाद, भ्रष्टाचार, भाईभतीजावाद और नीतिगत लकवे से ठासित था। हर तरफ असंतोष और अनिश्चितता थी लेकिन मोदी के नेतृत्व में देश ने नई ऊर्जा, नया विश्वास और नया युग देखा। सबका साथ, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के के साथ उन्होंने देश को न केवल संभाला बल्कि उसे आगे ले जाने की दिशा दी है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में 81 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन मिला। जन-धन योजना में 55 करोड़ खाते खोले गए। पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक घर स्वीकृत किए। इसमें लाखों गरीबों को अपना घर मिला है। यह केवल आंकड़े नहीं बल्कि इसका प्रमाण है कि मोदी सरकार ने अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाई है। वहीं, प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उम्मेद सागर बांध पर अतिक्रमण पर बात करते हुए कहा कि पिछली सरकार के समय राजनीतिक संरक्षण में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हुए। अब सारे अतिक्रमणों को हटाकर उम्मेद सागर मूल स्वरूप में लौटे, यह हमारा संकल्प है। इस पर पूरी गंभीरता से काम कर रहे हैं और आगे भी करेंगे।

अय्यर ने शॉर्ट बॉल की अपनी कमजोरी पर भी काम किया है और दबाव में रन बनाने के लिए उनकी तारीफ की है। लेकिन इस स्क्वाड में श्रेयस अय्यर को जगह नहीं मिली।
- सौरव गांगुली

भारत के पूर्व कप्तान, श्रेयस अय्यर के चयन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — शिखर धवन

टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज शिखर धवन अपने रिलेशनशिप के कारण काफी चर्चा में हैं। 2023 में अपनी 11 साल की शादी खत्म होने के बाद शिखर ने अपने जीवन में एक नया अध्याय शुरू किया है। उनकी नई प्रेम कहानी की नायिका सोफी शाइन हैं जिन्होंने हाल ही में शिखर के साथ अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया। उन्होंने कहा कि शिखर की शरारती आंखें और उनका खूबसूरत चेहरा ही वह पहली चीज थी जिसने उन्हें आकर्षित किया। उनका चेहरा बहुत सुंदर था और उनकी आंखों में एक खास शरारत थी।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका अब तक दोनों टीमों के बीच 123 सालों में 101 टेस्ट हुए। इसमें ऑस्ट्रेलिया ने 54, जबकि साउथ अफ्रीका ने 26 मैच अपने नाम किए। 21 टेस्ट ड्रॉ भी हुए।

करौली जिला क्रिकेट संघ : हाईकोर्ट ने खेल सचिव के आदेश पर रोक लगाई

करौली, 11 जून। हाईकोर्ट में करोली क्रिकेट संघ के सचिव शिवचरण माली को अपदस्थ करने के ख़िलाफ़ रजिस्ट्रार सहकारिता और नीरज के पवन के आदेश को चुनौती दी गई थी। खेल सचिव नीरज के पवन ने इस मामले में छह जून को सुनवाई थी और अंतरिम स्टे खारिज कर दिया था। इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी जिस पर अदालत ने खेल सचिव को आदेश पर रोक लगा दी है।

केन्द्रीय आवासीय जनजाति खेलकूद प्रशिक्षण शिविर बांसवाड़ा का समापन

जयपुर, 11 जून। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद द्वारा आयोजित 21 दिवसीय केन्द्रीय आवासीय जनजाति खेलकूद प्रशिक्षण शिविर बांसवाडा का समापन गुरूवार को होगा। समापन समारोह के मुख्य अतिथि जिलाधीश बांसवाडा डॉ. इन्द्रजीत यादव होंगे। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के मुख्य खेल अधिकारी व मुख्य शिविर निदेशक वीरेन्द्र पूनिया ने बताया कि 23 मई से जनजाति शिविर का आयोजन बांसवाडा में किया जा रहा है। गुरूवार को शिविर का समापन होगा। समारोह के मुख्य अतिथि जिलाधीश होंगे, जबकि अध्यक्षता बांसवाडा के पुलिस अधीक्षक हर्ष अग्रवाला करेगें। समारोह के विशिष्ट अतिथि खेल परिषद के वित्तीय सलाहकार महावीर मीणा, द्रोणाचार्य अवार्डी व मुख्य खेल अधिकारी वीरेन्द्र पूनिया और डीएफओ बांसवाडा अभिषेक शर्मा होंगे। उन्होने बताया कि शिविर में 151 बालक व 122 बालिकाओं सहित कुल 273 खिलाडियों ने भाग लिया है। सभी खिलाडियों को नि:शुल्क भोजन, आवास और प्रशिक्षण की सुविधा मुहैया करवाई गई।

प्रशिक्षकों की नियुक्ति के लिए साक्षात्कार 17 को खेल परिषद में

जयपुर, 11 जून। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना खेलों इंडिया के तहत राजस्थान के विभिन्न स्थानों पर खेल केन्द्रो के संचालन के लिए राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद द्वारा खेलों इंडिया केन्द्र खोले गए है। इसी कडी में अब गठित किए गए नये जिलों मे भी इन केन्द्रो को खोला जाना है। इसके लिए 17 को प्रात: 11:30 बजे खेल परिषद मुख्यालय पर प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षक नियुक्त के इच्छुक प्रशिक्षको/खिलाडियों के साक्षात्कार होंगे। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि नये जिलों में शामिल खेरथल-तिजारा, नीम का थाना में कुश्ती, डिडवाना-कुचामन में बास्केटबाल, फलौदी में एथलेटिक्स, जयपुर शाहपुरा स्टेडियम, दिल्ली रोड में कबड्डी, सलूम्बर में फुटबाल, गंगापुर सिटी (सवाई माधौपुर) में ताईक्वांडो और शाहपुरा (भीलवाडा) में तैराकी के प्रशिक्षक की नियुक्ति के लिए साक्षात्कार लिए जायेगें। इन केन्द्रो के लिए इच्छुक प्रशिक्षक व खिलाडी 25 से 40 वर्ष की आयु वर्ग में होने चाहिए। 25 वर्ष से कम और 40 वर्ष से अधिक को इसमें शामिल नहीं किया जायेगा।

जयपुर जिले की टीम के चयन हेतु चयन समिति घोषित

जयपुर, 11 जून। राजस्थान राज्य सब जूनियर व जूनियर बालिका व बालक फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 में भाग लेने वाली जयपुर जिले की टीम के चयन हेतु चार सदस्यीय चयन समिति का गठन किया गया है। समिति द्वारा खिलाड़ियों का अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की केंद्रीकृत पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) के तहत जयपुर जिले में पंजीकरण कराना होगा। जयपुर जिले की टीम का चयन निम्न समिति के माध्यम से किया जाएगा। कार्यकारणी समिति के सदस्य: अब्दुल जब्बार, मनोज शर्मा, डॉ. दिलीप सिंह चुण्डावत, शेबी फिलिप्स।

कगिसो रबाडा और मार्का यानसन ने ऑस्ट्रेलिया को 212 रन पर रोका

लॉर्ड्स 11 जून। कगिसो रबाडा (पांच विकेट) और मार्को यानसन (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डबल्यूटीसी) 2025 के फाइनल में बल्लेबाजी कर रही ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 212 रन के स्कोर पर रोक दिया। भोजनकाल के बाद स्टीव स्मिथ और बो वेब्स्टर ने ऑस्ट्रेलिया पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट लिए 79 रनों की साझेदारी हुई। 42वें ओवर में एडन मारक्रम ने स्टीव स्मिथ को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। स्टीव स्मिथ ने 10 चौकों की मदद से 66 रनों की पारी खेली। इसके बाद एलेक्स कैरी (23) रन बनाकर केशव महाराज को शिकार बने। इसके बाद रबाड़ा और यानसन ने ऑस्ट्रेलिया पारी को समेटने में देर नहीं लगाई। बो वेब्स्टर ने 11 चौकों की मदद से (72) रनों की पारी खेली। उन्हें रबाड़ा ने आउट किया। कप्तान पैट कमिंस (एक) और मिचेल स्टार्क (एक) को रबाड़ा ने बोल्ड आउट किया।

नेथन लायन (शून्य) को मार्को यानसन बोल्ड किया। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया की टीम को 56.4 ओवर में 212 के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया। इससे पहले आज यहां लॉर्ड्स के मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और उसने सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा (शून्य) का विकेट 12रन के स्कोर पर गवां दिया। उन्हें कगिसो रबाडा ने बेडिंघम के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कैमरन ग्रीन (चार) को भी रबाड़ा ने आउट किया। जमने का प्रयास कर रहे मार्नस लाबुशेन (17) को 18वें ओवर में मार्को यानसन ने आउटकर ऑस्ट्रेलिया को तीसरा झटका दिया। इसके बाद ट्रैविस हेड (11) भी मार्को यानसन का शिकार बने। यानसन के आउट होते भोजनकाल की घोषणा कर दी गई। दक्षिण अफ्रीका ने भोजनकाल तक ऑस्ट्रेलिया के 23.2 ओवर में 67 रन चार विकेट झटकर मैच में अपना दबदबा बना लिया था दक्षिण अफ्रीका की ओर से कगिसो रबाड़ा ने पांच और मार्को यानसन ने तीन विकेट लिये। केशव महाराज और एडन मारक्रम ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने स्टीव स्मिथ

लॉर्ड्स, 11 जून। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जब साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम संकट में थी तब स्टीव स्मिथ टीम के लिए संकटमोचन बने। इस दौरान स्टीव स्मिथ ने एक विश्व कीर्तिमान भी अपने नाम कर लिया। उन्होंने पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त कर इस पर अपना नाम लिखवा लिया।विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अब तक दो फाइनल हो चुके हैं। इस मैच से पहले तक इसमें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भारत के अजिंक्य रहाणे हुआ करते थे। उन्होंने दो मैचों की चार पारियों में 199 रन बनाए थे। लेकिन अब स्टीव स्मिथ उनसे आगे निकल गए हैं। लॉर्ड्स में स्टीव स्मिथ ने जैसे ही अपने 45 रन पूरे किए, वे रहाणे से आगे निकल गए हैं। इतना ही नहीं वे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में 200 से ज्यादा रन बनाने वाले भी पहले बल्लेबाज बन गए हैं।भारतीय टीम ने साल 2021 और इसके बाद साल 2023 में बैट टू बैक दो फाइनल खेले लेकिन इस बार टीम तीसरे नंबर पर रही और फाइनल में एंट्री नहीं कर पाई। जहां एक ओर ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरी बार फाइनल में अपनी जगह बनाने में कामयाब रही, वहीं साउथ अफ्रीका की टीम पहली बार फाइनल खेल रही है। अभी तो मैच का पहला ही दिन है लेकिन पहले दिन अब तक साउथ अफ्रीका ने मैच पर शिकंजा कसा हुआ है।

आर.डी. बाहेती जिला बैडमिंटन में जयवर्धन, अन्वी, श्रेयांश बने चैम्पियन

जयपुर, 11 जून। आर डी बाहेती जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता में आज तीन फाइनल खेले गए जिसमें महिला एकल में अन्वी राठौर, लड़कों के अंडर 15 आयु वर्ग में श्रेयांश चौधरी, एवं लड़कों के अंडर 17 आयु वर्ग में जयवर्धन सिंह विजेता रहे। महिला एकल में अन्वी राठौर व उत्सवा पालेट के बीच में कड़ा संघर्ष रहा और यह गेम लगभग 55 मिनट चला, इसमें अन्वी राठौर ने उत्सव पायलट को 15-21, 21-15, 21-8 से परास्त किया। वहीं अंडर 15 लड़कों में भी फैसला 3 गेमों में हुआ श्रेयांश चौधरी ने सनी जांगिड़ को 16- 21, 21- 11 ,21- 8 से परास्त किया। लड़कों के अंडर 17 सिंगल्स में जयवर्धन सिंह ने देवाशीष प्रजापत को सीधे गेमों में 21- 14, 21 -19 से हरा फाइनल जीता। आज के मुख्य अतिथि आर डी बाहेती ट्रस्ट के प्रदीप बाहेती व जिला सचिव मनोज दासोत ने सभी फाइनल में पहुंचे खिलाड़ियों का माल्यार्पण पर स्वागत किया। ये खिलाड़ी सनी जांगिड़, श्रेयांश चौधरी, जयवर्धन सिंह, देवाशीष प्रजापत, अंबर चंद्रवंशी ,अन्वी राठौर, उत्सवा पालेट ,पद्मजा सिंह ,गरिमा यादव अपेक्षा चौधरी रहे।ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री अतुल गुप्ता के अनुसार 15, 17 आयु वर्ग व सीनियर के डबल्स के मैच आज खेले गए तथा खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल खेल सेमीफाइनल में पहुंचे कल सभी डबल्स के सेमीफाइनल व फाइनल खेले जाएंगे। इनके अलावा पुरुष एकल, अंडर 15 लड़कियों का एकल में, अंडर 17 लड़कियों का एकल फाइनल कल खेले जाएंगे। कल सुबह 9 बजे से सेशन शुरू होगा। कल अंडर 11 अंडर 13 के सिंगल्स भी खेले जाएंगे।

राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता

जयपुर 11जून, आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्माने बताया कि बीसीसीआई केआगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की पूर्व तैयारियों की लिए आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी के निर्देशानुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा बीसीसीआई सीनियर रणजी ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता में आज जयपुर,श्रीगंगानगर, राजसमंद, नागौर, भीलवाड़ा, हनुमानगढ़,जोधपुर, टोंक, बांसवाड़ा, चूरू, अजमेर, झालावाड़, झुंझनू, कोटा, धौलपुर, बीकानेर जीते आज कार्तिक शर्मा, मानेन्द्र सिंह, रामनिवास गोलाडा, जयंत, मोहित बोहरा, साहिल दीवान, विशाल सैनी, देवांश सिंह, सौरभ गोदारा, सौरव यादव, शाहरुख, कन्हैया रैगर, रामेश्वर गायरी, शबाज, शिवा चौहान, कुणाल सिंह राठौर का शानदार प्रदर्शन रहा।

पैराग्वे को हराकर ब्राजील ने किया विश्वकप के लिए क्वालीफाई

साओ पाउलो, 11 जून। विनिसियस जूनियर ने पहले हाफ में किये गये गोल की बदौलत पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील ने क्वालीफायर मुकाबले में पैराग्वे पर 1-0 से जीत दर्ज कर अगले साल होने वाले फीफा विश्वकप में अपनी जगह पक्की कर ली है। ब्राजील ने मंगलवार को अपने घरेलू मैदान पर शानदार खेला प्रदर्शन करते हुए पैराग्वे को हराकर फीफा विश्वकप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। विनीसियस जूनियर ने 44वें मिनट में गोल कर ब्राजील को बढ़त दिलाई। इसके बाद रक्षापंक्ति ने शानदार खेला का मुजाहिरा करते हुए पैराग्वे को गोल करने का कोई अवसर नहीं दिया। इस जीत के साथ ब्रजील के 25 अंक हो गये है। वहीं, हार के बाद पैराग्वे 24 अंकों पर है और उसे विश्वकप में क्वालीफाई करने के लिए एक अंक की जरुरत है। ब्राजील सितंबर में अपने अंतिम दो क्वालीफायर मुकाबलों में चिली और बोलीविया से भिड़ेगा। पैराग्वे को क्वालीफाई के लिए केवल एक अंक की आवश्यकता है, उसका सामना इक्वाडोर और पेरू से होगा।

इंग्लैंड ने टी-20 सीरीज में विंडीज का किया सूपड़ा साफ

साउथेम्प्टन (इंग्लैंड) 11 जून। बेन डकेट (84) और जेमी स्मिथ (60) की शानदार अर्धशतकीय पारियों के बाद ल्यूक वुड (तीन विकेट) और आदिल रशीद (दो विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने तीसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 37 रनों से हरा दिया। इसी के साथ इंग्लैंड तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली है। इंग्लैंड के 248 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और उसने अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों जॉनसन चार्ल्स (नौ) और एविन लुइस (नौ) के विकेट 37 रन के स्कोर पर गवां दिये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान साई होप और शिमरॉन हेटमायर ने पारी संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में जेकब बेथेल ने शिमरॉन हेटमायर आठ गेंदों में (26) रन को आउट कर इंग्लैंड को तीसरी सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में ब्राइडन कार्स ने साई होप 27 गेंदों में (45) रन को आउटकर वेस्टइंडीज को तगड़ा झटका दिया। शरफेन रदरफोर्ड (एक), रोमारियो शेफर्ड (शून्य) को आदिल राशीद ने अपना शिकार बनाया। जेसन होल्डर 12 गेंदों में (25) और गुडाकेश मोती (एक) को ल्यूक वुड ने आउट किया। वेस्टइंडीज की ओर से रोवमन पॉवेल ने 45 गेंदों में नौ चौकों और चार छक्कों की मदद से (नाबाद 79) रनों की पारी खेली। इंग्लैंड के बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण के आगे वेस्टइंडीज की टीम निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 211 रन ही बना सकी और 37 रनों से मैच हार गई। इंग्लैंड की ओर से ल्यूक वुड ने तीन और ल्यूक वुड ने दो विकेट लिये। ब्राइडन कार्स, लियम डॉसन और जेकब बेथेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले वेस्टइंडीज ने मंगलवार देर रात तीसरे टी-20 मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करते उतरी इंग्लैंड के लिए बेन डकेट और जेमी स्मिथ की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 120 रन जोड़े। नौवें ओवर में गुडाकेश मोती ने जेमी स्मिथ को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। जेमी स्मिथ ने 26 गेंदों में पांच छक्के और चार चौकों की मदद से (60) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जॉस बटलर 10 गेंदों में (22) रन को शरफेन रदरफोर्ड ने हेटमायर के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। 15वें ओवर में अकील हुसैन ने बेन डकेट को बोल्ड कर उनके शतक बनाने के मंसूबे पर पानी फेर दिया।

इंग्लैंड क्यूरेटर से हेड कोच गौतम गंभीर ने की डिमांड

नई दिल्ली, 11 जून। बेकेनहैम काउंटी ग्राउंड के हेड पिच क्यूरेटर जोश मार्डेन ने टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और टीम मैनेजमेंट को लेकर बड़ा खुलासा किया है। दरअसल, जोश मार्डेन ने बताया है कि हेड कोच गंभीर और मैनेजमेंट ने उनको इंग्लैंड के बहुप्रतीक्षित दौरे की तैयारियों के संबंध में मैसेज दिया था कि उन्हें एक अच्छी पिच चाहिए। 20 जून से शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारी भारतीय टीम इस समय इंग्लैंड में कर रही है।टीम इंडिया ने साउथ ईस्ट लंदन के बेकेनहैम में एक ट्रेनिंग कैंप आयोजित किया है, जहां वे अपने बल्लेबाजी दिग्गजों विराट कोहली और रोहित शर्मा के बिना पहली द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता कर रहे हैं, जिससे एक नए युग की शुरुआत हो रही है।रेवस्पोर्ट्स की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रेनिंग के लिए पिच क्यूरेटर से भारतीय टीम ने एक अच्छी पिच तैयार करने के लिए कहा है। मार्डेन ने बताया कि, हां गौतम गंभीर और अन्य कोचिंग स्टाफ ने अपनी आंतरिक बैठक के बाद हमसे बात की। उनका संदेस स्पष्ट था कि हमें एक अच्छी पिच चाहिए। बहुत सपाट या बहुत हरी नहीं, बल्कि ऐसी जो वास्तव में मैच की तैयारी में मदद करे। वे अधिक रियलिस्टिक कंडीशंस चाहते थे ना कि केवल बल्लेबाजी अभ्यास। इसलिए हमने कुछ चीजों को एडजस्ट किया। घास का कवर, नेट की चौड़ाई और लेंत का विस्तार। इसके बाद से फीडबैक अच्छा रहा है।

राजधानी

ईआरसीपी से चम्बल, काली सिंध और पार्वती नदी का पानी लालसोट पहुंचेगा : जल संसाधन मंत्री

■ लालसोट के पास समेल में करीब 20-20 करोड़ की लागत से निर्मित एनिकटों का लोकार्पण समारोह

मंत्री रावत ने समेल में करीब 20-20 करोड़ की लागत से निर्मित दो एनिकटों के लोकार्पण किया।

दौसा/जयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश की तस्वीर और दशा-दिशा बदलने वाली पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के माध्यम से चम्बल, काली सिंध और पार्वती नदी का पानी लालसोट की धरती पर आएगा और जनता एवं खेती की प्यास बुझाएगा। मंत्री रावत बुधवार को यहां लालसोट के पास समेल में करीब 20-20 करोड़ की लागत से निर्मित दो एनिकटों के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

जल संसाधन मंत्री ने कहा कि पूर्वी राजस्थान की पानी की समस्या की गंभीरता को समझते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ईआरसीपी योजना को धरातल पर उतारने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया, जिससे पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों को जोड़ा गया है। इस योजना का टेंडर होकर काम चालू हो गया है। उन्होंने कहा कि लालसोट क्षेत्र का मोरेल बांध भी इससे जुड़ा है। इसके अलावा क्षेत्र के अन्य बांधों को भी जोड़ने पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के पूर्ण होने पर चम्बल, काली सिंध और पार्वती नदी का पानी लालसोट की धरती पर आएगा। व्यर्थ बहकर जाने वाले बरसात के पानी से यहां की जनता की प्यास बुझेगी, खेतों में सिंचाई होगी और उद्योग-धंधे फलीभूत होंगे।

जल संसाधन मंत्री ने 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि 'जल है तो कल है'। जल के बिना हम जीने की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। पानी प्रकृति की अमूल्य देन है, जिसे हम पैदा नहीं कर सकते हैं, केवल संरक्षित करके ही उपयोग में ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि पुराने समय में लोग बावड़ियों एवं कुओं से ही पानी पीते थे, लेकिन कालान्तर में समय के साथ बावड़ियां, कुएं और तालाब दुर्दशा के शिकार होते गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने भागीरथी प्रयास से इन बावड़ियों, तालाबों एवं बांधों की साफ-सफाई और संरक्षण के लिए एक पखवाड़े का वृहद स्तर पर अभियान चालू किया है। उन्होंने आमजन से इस अभियान से जुड़ने का आव्हान करते हुए कहा कि जब अमृत रूपी बरसाती पानी धरती पर गिरता है तो हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि उस पानी को संरक्षित करें और बचाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस पुनीत कार्य को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। हम सब लोग भी अपने-अपने क्षेत्र में और दूरदराज के गांव-ढाणियों में नदी किनारों और तालाबों की पाल पर जाकर जनजागरण का काम करें।

लालसोट विधायक रामबिलास मीणा ने समारोह को संबोधित करते हुए इन एनिकटों के निर्माण से क्षेत्र को होने वाले फायदों को रेखांकित किया और क्षेत्र की समस्याओं से जल संसाधन मंत्री को अवगत कराया।

उन्होंने समेल एनिकट पर सुरक्षा दीवार बनाने, गंदे पानी को स्वच्छ बनाने के लिए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाने एवं नालावास डेम को स्वीकृत करवाने की मांग की जिस पर जल संसाधन मंत्री ने सभी मांगों पर स्वीकृति के लिए आश्वस्त किया। वंदे गंगा जल सरंक्षण जन अभियान के विधानसभा संयोजक डॉ. शंभु लाल कुईवाला ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। जल संसाधन विभाग के अधिशासी अभियंता मांगीलाल मीना ने बताया कि मोरेल नदी पर समेल होदायली में निर्मित एनिकट से सात गांवों एवं ढाणियों तथा ग्राम बाड़ा के पास एनिकट निर्माण से पांच गांवों एवं ढाणियों को फायदा मिलेगा। उन्होंने बताया कि 19 करोड़ 82 लाख रुपए से निर्मित समेल एनिकट से समेल, होदायली, गुजरहेरा, मंडलिया, जगसरा, गुमानपुरा सहित सात गांव एवं आसपास की कई छोटी ढाणियां लाभान्वित होंगी।

इस अवसर पर लालसोट नगर परिषद सभापति पिंकी चतुर्वेदी, जल संसाधन विभाग के एडिशनल चीफ इंजीनियर देवी सिंह बेनीवाल, लालसोट उपखंड अधिकारी विजेंद्र मीना, लालसोट तहसीलदार अमितेश मीना, निर्झरना तहसीलदार सीमा घुणावत, जिलाध्यक्ष डॉ. प्रभुदयाल शर्मा, जल संसाधान विभाग के रमाशंकर शर्मा, मांगीलाल मीना, जालंधर मीना, संगीता मीना तथा अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, विभागीय अधिकारी-कार्मिक एवं आमजन उपस्थित थे।

जयपुर पुलिस कमिश्नर श्याम नगर थाने में करेंगे जनसुनवाई

जयपुर। आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ चौदह जून (शनिवार) को शाम 5 बजे से रात आठ बजे तक पुलिस थाना श्यामनगर में जनसुनवाई करेंगे।

जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर(अपराध) कुंवर राष्ट्रदीप, पुलिस उपायुक्त दक्षिण दिगंत आनन्द, पुलिस उपायुक्त पश्चिम अमित कुमार, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दक्षिण ललित किशोर शर्मा,अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पश्चिम आलोक सिंघल,सहायक पुलिस आयुक्त सोडाला, मानसरोवर एवं वैशाली नगर एवं संबंधित थानाधिकारी और थाने के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान पुलिस थाना श्याम नगर, सोडाला, महेश नगर, शिप्रा पथ, मानसरोवर, वैशाली नगर, करणी विहार एवं चित्रकूट क्षेत्र के परिवादियों की जनसुनवाई की जाएगी। जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र के परिवादियों की समस्याओं का तुरंत निस्तारण करते हुए आमजन को राहत पहुंचाना है।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

'जुलाई में एक लाख करोड़ ...

एमओयू की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित राजस्थान के सपने को साकार करने में राइजिंग राजस्थान समिट एक मजबूत स्तम्भ साबित हो रहा है। समिट ने प्रदेश में ऐसा औद्योगिक वातावरण तैयार किया है, जिसमें निवेशकों के लिए अधिकतम सुविधाएं एवं सेवाएं सुनिश्चित हो रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो घोषित पॉलिसी लंबित हैं, उन्हें 31 जुलाई तक अंतिम रूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि जारी हो चुकी पॉलिसी के शेष नोटिफिकेशन भी 30 जून तक जारी किए जाएं। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के महत्वपूर्ण एमओयू के भूमि आवंटन की स्थिति को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कमेटी गठन के आदेश दिए, ताकि एमओयू के आधार पर उद्योगों एवं निवेशकों की भूमि सम्बंधी आवश्यकता को चिन्हित किया जा सके। शर्मा ने इस दौरान नागरिक उड्डयन, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार, नगरीय विकास एवं आवासन, कृषि तथा खान विभाग से संबंधित एमओयू की समीक्षा की। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित, संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे तथा जिला कलक्टर्स वीसी के माध्यम से जुड़े।

सचिन के निमंत्रण पर कांग्रेस के लगभग सभी नेता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- गणेश घोगरा
- कांतिप्रसाद मीणा
- अमीन कागजी
- मुकेश भाकर
- हाकम अली
- रामनिवास गाविड़या
- मनोज मेघवाल
- अनिल शर्मा
- दीपचन्द खैरिया
- श्रवण कुमार
- घनश्याम मेहर
- लक्ष्मण मीणा
- डॉ. समरजीत सिंह
- रतन देवासी
- रोहित बोहरा
- रूपिन्द्रसिंह कुन्नर
- प्रशांत शर्मा
- अमित चाचाण
- सुश्री रीटा चौधरी
- मनीष यादव
- अभिमन्यु पूनिया
- सुरेश गुर्जर
- ललित यादव
- विनोद गोठवाल
- पूसाराम गोदारा
- शोभारानी कुशवाह
- दीनदयाल बैरवा
- अनिता जाटव
- पितराम काला
- भगवानाराम सैनी
- विद्याधर चौधरी
- संजय जाटव
- इन्दिरा मीणा
- मांगेलाल मीणा
- जाकिर हुसैन गैसावत
- शिखा मील
- सुशीला डूडी
- गीता देवी बरवड़
- चेतन पटेल कोलाना

पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक एवं पूर्व सांसद

- डॉ. बी.डी. कल्ला, पूर्व अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस
- हेमाराम चौधरी, पूर्व मंत्री
- परसराम मोरदिया, पूर्व मंत्री
- डॉ. जितेन्द्र सिंह, पूर्व मंत्री
- डॉ. रघु शर्मा, पूर्व मंत्री
- प्रमोद जैन भाया, पूर्व मंत्री
- उदयलाल आंजना, पूर्व मंत्री
- गोविन्दराम मेघवाल, पूर्व मंत्री
- महादेव सिंह खण्डेला, पूर्व केन्द्रीय मंत्री
- लक्ष्मण सिंह रावत, पूर्व मंत्री
- प्रतापसिंह खाचरियावास, पूर्व मंत्री
- रामलाल जाट, पूर्व मंत्री
- बाबूलाल नागर, पूर्व मंत्री
- ममता भूपेश, पूर्व मंत्री
- जाहिदा खान, पूर्व मंत्री
- राजेन्द्र चौधरी, पूर्व मंत्री
- नसीम अख्तर, पूर्व मंत्री
- अशोक बैरवा, पूर्व मंत्री
- सुखराम बिश्नोई, पूर्व मंत्री
- के.सी. बिश्नोई, पूर्व मंत्री
- डॉ. राजकुमार शर्मा, पूर्व मंत्री
- रमा पायलट, पूर्व सांसद
- रघुवीर मीणा, पूर्व सांसद
- ताराचन्द भगौरा, पूर्व सांसद
- बद्रीराम जाखड़, पूर्व सांसद
- खिलाड़ी बैरवा, पूर्व सांसद
- भरतराम मेघवाल, पूर्व सांसद
- प्रहलाद गुंजल, पूर्व विधायक
- महेन्द्र चौधरी, पूर्व विधायक
- हीरालाल बिश्नोई, पूर्व विधायक
- रूपाराम मेघवाल, पूर्व विधायक
- संयम लोढ़ा, पूर्व विधायक
- ओमप्रकाश हुडला, पूर्व विधायक
- राकेश पारीक, पूर्व विधायक
- श्रीमती गायत्री देवी, पूर्व विधायक
- दिलीप चौधरी, पूर्व विधायक
- मंगलाराम गोदारा, पूर्व विधायक
- नवीन पिलानिया, पूर्व विधायक
- कृष्णा पूनिया, पूर्व विधायक
- गोपाराम मेघवाल, पूर्व विधायक
- जी.आर. खटाणा, पूर्व विधायक
- कैलाश मीणा, पूर्व विधायक
- नाथूराम सिनोदिया, पूर्व विधायक
- प्रकाश चौधरी, पूर्व विधायक
- पी.आर. मीणा, पूर्व विधायक
- रामचन्द्र रावत, पूर्व विधायक
- वेदप्रकाश सोलंकी, पूर्व विधायक
- राजेन्द्र बिधुड़ी, पूर्व विधायक
- इन्द्राज गुर्जर, पूर्व विधायक
- लाखनसिंह मीणा, पूर्व विधायक
- महेन्द्र मीणा, पूर्व विधायक
- रामस्वरूप कसाना, पूर्व विधायक
- कमल बैरवा, पूर्व विधायक
- डॉ. सुरेश चौधरी, पूर्व विधायक
- गोपाल मीणा, पूर्व विधायक
- मदन प्रजापत, पूर्व विधायक
- खुशवीर सिंह जोजावर, पूर्व विधायक
- सोना देवी बावरी, पूर्व विधायक
- प्रीति शक्तावत, पूर्व विधायक
- गंगा देवी, पूर्व विधायक
- अमरसिंह जाटव, पूर्व विधायक
- करणसिंह राठौड़, पूर्व विधायक
- चेतन डूडी, पूर्व विधायक
- प्रशांत बैरवा, पूर्व विधायक
- जोगेंद्र सिंह अवाना, पूर्व विधायक
- वाजिब अली, पूर्व विधायक
- संदीप यादव, पूर्व विधायक
- कय्यूम खान, पूर्व विधायक
- प्रकाश बैरवा, पूर्व विधायक
- राजेन्द्र भादू, पूर्व विधायक
- अशोक तंवर, पूर्व विधायक
- पदमाराम मेघवाल, पूर्व विधायक
- मलखान बिश्नोई, पूर्व विधायक
- कृष्णमुरारी गंगावत, पूर्व विधायक
- पानाचन्द मेघवाल, पूर्व विधायक
- डॉ.खानू खान बुधवाली, चेयरमेन, राजस्थान राज्य वक्फ बोर्ड
- एम.डी. चौपदार, अध्यक्ष, राजस्थान मदरसा बोर्ड
- राजीव अरोड़ा, पूर्व अध्यक्ष, आर.टी.डी.सी.
- धर्मेन्द्र राठौड़, पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान राज्य बीज निगम
- महेश शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान विप्र कल्याण बोर्ड
- संगीता बेनीवाल, पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान राज्य बाल संरक्षण आयोग
- उर्मिला योगी, अध्यक्ष, विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्ध घुमंतू बोर्ड, राजस्थान
- सतवीर चौधरी, उपाध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद्

अन्य प्रमुखजन

- सारिका सिंह, अध्यक्ष, प्रदेश महिला कांग्रेस
- विनोद जाखड़, अध्यक्ष, प्रदेश एन.एस.यू.आई.
- यशवीर सूरा, कार्यकारी अध्यक्ष, प्रदेश युवा कांग्रेस
- सुधीन्द्र मूंड, कार्यकारी अध्यक्ष, प्रदेश युवा कांग्रेस
- आबिद कागजी, अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग
- हरसहाय यादव, अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग
- राखी गौतम, पूर्व अध्यक्ष, प्रदेश महिला कांग्रेस
- अनिल चौपड़ा, कांग्रेस प्रत्याशी, लो.स. जयपुर ठामीण
- मदनगोपाल मेघवाल, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी, लो.स. बीकानेर
- रफीक मण्डेलिया, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी, लो.स. चूरू
- लक्खीराम बैरवा, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी, लो.स. करौली-धौलपुर
- द्रोपदी कोली, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. अजमेर दक्षिण
- आर.आर. तिवाड़ी, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. हवामहल
- शिवप्रकाश गुर्जर, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. नसीराबाद
- महेन्द्र राजोरिया, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. रामगंजमण्डी
- निरंजन आर्य, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. सोजत
- नरेन्द्र रैगर, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. शाहपुरा
- के.सी. मीणा, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. उनियारा
- अभिषेक चौधरी, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. झोटवाड़ा
- डॉ. अर्चना शर्मा, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. मालवीय नगर
- इमरान खान, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. तिजारा
- संजय यादव, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. बहरोड़
- पारस पंच, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. ब्यावर
- हंगामीलाल मेवाड़ा, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. आसीन्द
- मनीषा गुर्जर, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. खेतड़ी
- घासीलाल चौधरी, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. मालपुरा
- राजेन्द्र मूंड, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. लूणकरणसर
- महेन्द्र सिंह रलावता, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. अजमेर उत्तर
- पुष्पेन्द्र भारद्वाज, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. सांगानेर
- आर्यन जुबेर, कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. रामगढ़
- शोभा सोलंकी, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. सोजत
- अजय बोहरा, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी, वि.स. महुवा
- डॉ. आर.सी. यादव, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी, बहरोड़
- रामोतार चौधरी, पूर्व प्रत्याशी, दौसा
- बालेन्दूसिंह शेखावत, पूर्व सचिव, पीसीसी
- कमल मीणा, पूर्व सचिव, पीसीसी
- विजय जैन, अध्यक्ष, जिला कांग्रेस अजमेर शहर
- रविन्द्र त्यागी, अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कोटा शहर
- भानू प्रताप सिंह, अध्यक्ष, जिला काठोस प्रतापगढ़
- हरिप्रसाद बैरवा, अध्यक्ष, जिला कांग्रेस टोंक
- बिसनाराम सिहाग, अध्यक्ष, जिला कांग्रेस बीकानेर देहात
- फतेह मोहम्मद, अध्यक्ष, जिला कांग्रेस बाड़मेर
- रामजीलाल ओढ़, अध्यक्ष, जिला कांग्रेस दौसा
- निर्मल चौधरी, छात्रसंघ अध्यक्ष, राजस्थान विश्वविद्यालय
- परसराम बिश्नोई
- असमल चौपदार

राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थापित उनकी मूर्ति पर पुष्पांजलि कार्यक्रम हुआ।

इधर श्रद्धांजलि सभा में उमड़े जन सैलाब के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग पर रेलमपेल मच गई तथा दोपहर तक जाम की स्थिति पैदा हो गई। श्रद्धांजलि सभा में राष्ट्रीय स्तर के 11 नेता, 8 सांसद, 47 विधायक तथा 83 पूर्व विधायक एवं मंत्रियों के पहुचने का दावा किया जा रहा है। राजेश पायलट के जीवन से जुड़ी प्रदर्शनी भी लगाई, जिसका कांग्रेस के नेताओं ने अवलोकन किया। अवलोकन के बाद आमजन के लिए प्रदर्शनी खोली दी गई, लोग पायलट के जीवन से जुड़ी प्रदर्शनी को देखकर भाव विभोर हो गये। मंच संचालन कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रामजीलाल गौड़ ने किया।

इस मौके पर सचिन पायलट के बुलावे पर दौसा पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस की एकजुटता को लेकर कहा कि किसने कहा कि हमारे बीच दूरियां हैं। हम सब एकजुट हैं और प्रेम और मोहब्बत से रहते आए हैं। गहलोत ने राजेश पायलट को याद करते हुए कहा कि आज उनकी 25वीं पुण्यतिथि है. राजेश पायलट और मैं एक साथ लोकसभा के लिए सांसद चुने गए थे और 18 साल तक एक साथ सांसद रहे।

गहलोत ने कहा कि उन्होंने भारतीय वायु सेवा में नौकरी की। उसके बाद राजनीति में आए और जिस तरह से उन्होंने गरीबों और शोषितों के लिए काम किया, वह काफी प्रेरणादायक है। आज दौसा में नौजवान भी आए, बुजुर्ग भी आए हैं, जिन लोगों ने उनके साथ काम किया, वे भी आए हैं। एक ऐसा समागम बन गया है, जिससे यह संदेश गया कि वे कैसे व्यक्तित्व के धनी थे। आज यहां आकर फिर वापस वही यादें ताजा हो गई, जब राजेश पायलट और मैं एक साथ सांसद के रूप में काम करते थे।

राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर राजेश पायलट स्मारक पर रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें 111 रक्तदाताओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तदाताओं को सांसद मुरारीलाल मीणा, दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा, दौसा जिला प्रभारी इन्द्रराज गुर्जर, दौसा विधानसभा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष हरकेश अवाना ने स्मृति चिन्ह एवं राजेश पायलट की प्रतिमा देकर सम्मानित किया। इधर युवाओं में रक्तदान को लेकर भारी उत्साह देखा गया, भीषण गर्मी को देखते हुये रक्तदान का कार्यक्रम दो बजे समाप्त कर दिया गया।

एसी के तापमान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अत्यधिक बिजली खपत पर रोक लगेगी और एसी उपयोग में एकरूपता आएगी। यह देश में इस तरह का पहला प्रयोग होगा, जिससे ऊर्जा खपत पर सीधा असर पड़ेगा। इस प्रस्ताव के लागू होने के बाद कंपनियों को एयर कंडीशनर के ऑपरेटिंग टेम्प्रेचर में बदलाव करना होगा। फिलहाल कई एसी 16 डिग्री सेल्सियस या 18 डिग्री सेल्सियस तक ठंडक देते हैं, लेकिन नई व्यवस्था के तहत न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस पर तय कर दिया जाएगा। वहीं, हीटिंग मोड में तापमान 28 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा नहीं बढ़ेगा। इस कदम का असर घरेलू और व्यावसायिक दोनों तरह के उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। सरकार इस योजना को पहले प्रयोगात्मक तौर पर लागू करेगी और फिर इसके प्रभावों का मूल्यांकन करेगी।

लॉस एंजलिस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह बात हज़म नहीं हो रही है कि देश की सेना, जिसे बाहरी दुश्मनों से लड़ने के लिए प्रशिक्षित किया गया है, अब अपने ही नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़े प्रमुख राजनेताओं का कहना है कि डॉनल्ड ट्रंप जानबूझकर लॉस एंजिल्स और अन्य स्थानों पर हुई हिंसा को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रहे हैं, ताकि वे अमेरिकी सैनिकों की तैनाती को जायज़ ठहरा सकें और खुद को एक 'सख्त निर्णय लेने वाले नेता' के रूप में प्रस्तुत कर सकें।

लॉस एंजिल्स के गवर्नर गैविन न्यूज़ोम ने ट्रंप की आलोचना करते हुए कहा है कि वे लोगों के शांतिपूर्ण विरोध के अधिकारों को कुचल रहे हैं। न्यूज़ोम ने यह भी आरोप लगाया कि ट्रंप गंभीर हालात से निपटने के बजाय, सिर्फ नाटक कर रहे हैं।

कैलिफोर्निया के गवर्नर ने ट्रंप के खिलाफ अमेरिकी सेना की तैनाती को लेकर मुकदमा भी दर्ज कराया है, उनका कहना है कि सेना की तैनाती केवल बगावत या विद्रोह की स्थिति में ही की जा सकती है।

न्यूयॉर्क, जो देश का सबसे बड़ा शहर है, वहां की पुलिस ने कहा है कि नेशनल गार्ड्स की तैनाती की कोई ज़रूरत नहीं है। केवल कुछ मामूली घटनाएं हुई हैं, जहां कुछ प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर कचरा फेंका है।

हालांकि अमेरिकी खुफिया तंत्र के कई हिस्से ट्रंप प्रशासन की इस कार्रवाई की आलोचना कर रहे हैं, लेकिन ट्रंप प्रशासन का कहना है कि जरूरत पड़ने पर और भी सख्त कदम उठाए जा सकते हैं।

कुल मिलाकर, प्रशासन की कार्रवाइयों को अनावश्यक रुप से आक्रामक माना जा रहा है।

सचिन भूलने को तैयार हैं: पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **गहलोत की साज़िश के कारण हाईकमान के दोनों पर्यवेक्षकों, खड़गे व माकन, को बैरंग दिल्ली लौटना पड़ा।**
- **अतः गहलोत के लिए, दिल्ली के सभी रास्ते बंद हैं इसलिए वे सचिन द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में गए, हाईकमान को विश्वास दिलाने के लिए वे अब बदल गए हैं और पश्चाताप की अग्नि से गुजर कर परिष्कृत हो गये हैं।**

चिलचिलाती गर्मी के बावजूद पायलट के निमंत्रण पर गहलोत दौसा पहुँचे और कार्यक्रम में शिरकत की।

एक तरह से गहलोत राजस्थान की राजनीति में प्रासंगिक बने रहने की कोशिश कर रहे है, हालांकि दिल्ली ने उन्हें कोई भी भूमिका देने से फिलहाल इन्कार कर दिया है।

गहलोत दिल्ली को यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे बदल चुके हैं और पार्टी में एकजुटता चाहते है। गहलोत ने कहा कि वे और सचिन पायलट साथ हैं, अब दोनों के बीच कोई मतभेद या शत्रुता नहीं है और वे दोनों पार्टी व राज्य के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। लेकिन समस्या यह है कि गहलोत की इस "बदलाव" की कहानी पर कोई भरोसा नहीं कर रहा, खासकर कांग्रेस हाईकमान।

जैसा कि एक नेता ने अंग्रेज़ी की कहावत का जिक्र करते हुए कहा, "लैपर्ड नेवर चैंज हिज़ स्पॉट्स" (व्यक्ति अपना मूल स्वभाव नहीं बदल सकता), वैसे ही गहलोत का भी ऐसे उदार नेता के रूप में दिखना मुश्किल है जो सचिन पायलट को गले लगाने को तैयार हैं।"

दोनों नेता एक-दूसरे के लिए अच्छी बातें कह रहे हैं, लेकिन यह सब सतही और औपचारिक लगता है। राजस्थान के कई वरिष्ठ नेता, जिनमें एआईसीसी महासचिव रंधावा भी शामिल हैं, सचिन पायलट के आमंत्रण पर वहाँ उपस्थित थे। जहाँ गहलोत अब बीते कल की बात माने जा रहे हैं, वहीं सचिन पायलट न केवल राजस्थान, बल्कि कांग्रेस पार्टी की केन्द्रीय राजनीति में उभरते सितारे के रूप में देखे जा रहे हैं।

उन्होंने राज्य के युवाओं और विभिन्न जातियों को अपने साथ जोड़ने में सफलता पाई है और निस्संदेह वे राजस्थान का भविष्य हैं।

सचिन पायलट के पक्ष में यह ज़रूर कहा जाना चाहिए कि उन्होंने पहल की, रिश्तों में व्याप्त ठंडेपन को कम किया और गहलोत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया। राज्य व दिल्ली की बात छोड़ भी दें तो यही बात उन्हें गहलोत समर्थकों के बीच भी पार्टी में कई "ब्राउनी पॉइन्ट्स" (फायदे) दिलाएगी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600